WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

# कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 265 | लखनऊ, सोमवार, 14 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

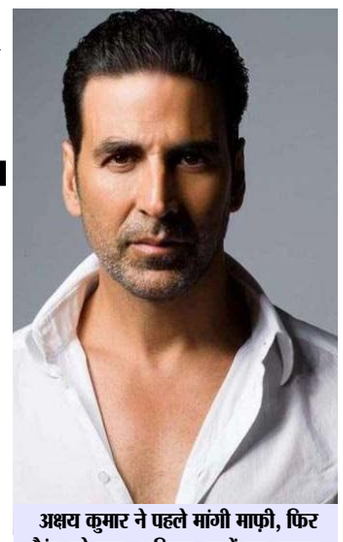

अक्षय कुमार ने पहले मांगी माफी, फिर फैंस को कहा- शुक्रिया, जानें पूरा माजरा

## कोरोना के 94 हजार से अधिक केस

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के 94 हजार से अधिक नये मामले सामने आये हैं और 1114 लोगों की मौत हुई है, वहीं 78 हजार से अधिक लोग स्वस्थ भी हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 94,372 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 47,54,357 पर पहुंच गया और इस दौरान 1,114 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 78,586 हो गयी। कोरोना संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या 78,399 बढ़कर 37,02,596 पर पहुंच गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 14,859 बढ़कर 9,73,175 हो गये हैं। देश के केवल 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं जिनमें सबसे ज्यादा तमिलनाडु में 808 और उसके बाद बिहार में 794 मरीज कम हुए हैं। देश में सक्रिय मामले 20.47 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.88 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 1.65 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 8,204 बढ़कर 2,80,138 हो गयी तथा 391 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 29,115 हो गया। इस दौरान 14,308 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 7,15,023 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 458 कम होने से सक्रिय मामले 95,733 रह गये। राज्य में अब तक 4,846 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 4,57,008 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 511 की कमी हुई है और राज्य में अब 97,834 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 7,161 पर पहुंच गया है तथा अब तक 3,44,556 लोग स्वस्थ हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस दौरान 634 मरीजों की वृद्धि हुई है जिससे सक्रिय मामले 67955 हो गये हैं तथा इस महामारी से 4349 लोगों की मौत हुई है जबकि 233527 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 47110 हो गयी है तथा 8307 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 441649 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 31607 सक्रिय मामले हैं और 961 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 124528 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। ओडिशा में सक्रिय मामले 30999 हो गये हैं और 616 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 115279 हो गयी है।

**1114 की मौत**

## नहीं रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री एवं बिहार की मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह का आज दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने यहां बताया कि फेफड़े के संक्रमण से जूझ रहे डॉ. सिंह को अभी हाल में दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। इससे पूर्व कोरोना संक्रमित होने पर उन्हें पटना एम्स में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के बाद वह स्वस्थ हो गए थे। बाद में तबीयत खराब होने उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। उनके परिवार में दो पुत्र और एक पुत्री हैं।

### रघुवंश प्रसाद गरीबों को समझने वाले व्यक्ति थेःमोदी

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। श्री मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बिहार में पेट्रोलियम क्षेत्र की तीन प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण करने के दौरान श्री रघुवंश प्रसाद को जमीन से जुड़ा और गरीबी को समझने वाला व्यक्ति बताते हुए कहा कि बिहार के लिए संघर्ष में पूरा समय बिताने वाले रघुवंश बाबू के जाने से बिहार और देश की राजनीति में शून्य पैदा हुआ है। प्रधानमंत्री ने श्री सिंह के एम्स में भर्ती होने के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे आखिरी पत्र की बातें को पूरा करने पर भी जोर दिया।

## मोदी ने बिहार को दी चुनावी सौगात

### 3 पेट्रोलियम परियोजनाओं का किया उद्घाटन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार में एलपीजी पाइपलाइन परियोजना के एक खंड और दो बॉटलिंग संयंत्रों का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में पारादीप-हल्दिया-दुर्गापुर पाइपलाइन परियोजना का दुर्गापुर-बांका खंड और बांका और चंपारण जिले में दो एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि गैस पाइपलाइन परियोजना से बिहार में उर्वरक, बिजली और इस्पात क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और सीएनजी आधारित स्वच्छ यातायात प्रणाली का भी लाभ होगा तथा रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल फागू चौहान, राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद थे। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) द्वारा निर्मित 193 किलोमीटर की दुर्गापुर-बांका पाइपलाइन खंड पारादीप-हल्दिया-दुर्गापुर पाइपलाइन विस्तार परियोजना का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने 17 फरवरी, 2019 को इसका शिलान्यास किया था। दुर्गापुर-बांका खंड मौजूदा 679 किलोमीटर की पारादीप-हल्दिया-दुर्गापुर एलपीजी पाइपलाइन का बांका में नई एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र तक विस्तार है। यह पाइपलाइन पश्चिम बंगाल, झारखंड तथा बिहार से गुजरती है। अभी इस लाइन में एलपीजी को आईओसी की पारादीप और हल्दिया रिफाइनरी की पाइपलाइन में डाला जाता है। इस पूरी परियोजना के पूर्ण होने के बाद यह सुविधा पारादीप आयात टर्मिनल तथा बरौनी रिफाइनरी से भी उपलब्ध होगी।

### शराब के नशे में धुत पिता ने लील ली मासूम की जिंदगी

**नोएडा, एजेंसी।** कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय...कहते हैं कि जब शराब का नशा आदमी के ऊपर चढ़ता है तो वह खुद भूल जाता है कि वह कहां है। उत्तर प्रदेश नोएडा में आज एक शराबी युवक की उसकी पत्नी से झगड़ा क्या हुआ अपनी 3 बर्षीय मासूम बेटी को उठाकर जमीन पर पलट दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर हालत में पत्नी को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।बता दें कि मामला थाना 49 क्षेत्र के गांव बरौला का है। जहां पति- पत्नी के बीच आपसी कलह का कोपभाजन तीन वर्ष की मासूम को बनना पड़ा। वहीं पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है।एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि प्रतक बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और आरोपी पति अमित मूल निवासी जटपुरा थाना सलेमपुर बुलंदशहर हाल पता थाना गांव बरौला थाना 49 की तलाश में जुट गई है।

## राज्य सरकार आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराने के लिए कृतसंकल्प

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराने के लिए कृतसंकल्प हैं। प्रदेशवासियों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव व उपचार के लिए राज्य सरकार द्वारा हर सम्भव कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से बचाव के लिए इसके प्रति पूरी सावधानी बरते जाने की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए कोविड-19 से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम निरन्तर संचालित किये जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास 05, कालिदास मार्ग पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रति जागरूकता के लिए पुलिस व प्रशासन मिलकर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से अभियान चलाएं। मास्क न पहनने वालों के प्रति सद्भावनापूर्ण ढंग से प्रवर्तन कार्रवाई की जाए। इसका उद्देश्य लोगों को कोरोना काल में मास्क पहनने के महत्व से परिचित कराना होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कोविड-19 के टेस्ट की संख्या 75 लाख से अधिक होने पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि निरन्तर अधिक से अधिक टेस्ट किये जाएं। जितने अधिक टेस्ट किये जाएंगे, कोविड-19 के संक्रमण के प्रसार पर उतना ही प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 से बचाव व उपचार की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रशिक्षित व कुशल मानव संसाधन को बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। इसके दृष्टिगत, चिकित्सकों, पैरामेडिक्स तथा अन्य चिकित्सा कर्मियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी कोविड अस्पतालों में एच0एफ0एन0सी0 (हाई फ्लो नेजल कैन्युला), दवाई आदि सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की निरन्तर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, कानपुर नगर, मेरठ में संक्रमण की स्थिति को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनपद लखनऊ में कोविड अस्पताल बनाये गये सभी प्राइवेट अस्पतालों द्वारा संक्रमित मरीजों के लिए मानक के अनुरूप स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

## नीट परीक्षा के लिए सभी राज्यों ने दिया ठोस इंतजाम का भरोसाः निशंक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रविवार को देशभर में आयोजित की जा रही नीट परीक्षा के लिए केंद्र के साथ-साथ विभिन्न राज्य सरकारों ने भी व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। राज्यों के पुलिस महानिदेशक एवं मुख्य सचिव परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा एवं छात्रों की सुविधा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एनटीए ने कई राज्यों में सैकड़ों छात्रों की मांग के अनुरूप अंतिम समय में परीक्षा केंद्र भी नए सिरे से आवंटित किए हैं। रविवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा, सभी राज्य सरकारों ने भारत सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य दिशा-निदेशरें का अनुपालन करते हुए समुचित इंतजामों के साथ ठोस व्यवस्थाएं की हैं, इसके लिए सभी राज्यों का आभार व्यक्त करता हूं। रविवार को नीट की परीक्षा 3,862 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही हैं। इन परीक्षा में शामिल होने के लिए लगभग 16 लाख से अधिक छात्रों ने फॉर्म भरा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री निशंक ने कहा, आज नीट की परीक्षा में बैठ रहे सभी अभ्यर्थियों को मैं ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नीट की परीक्षा में भी जेईई की तरह ही सभी अभ्यर्थी कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए पूर्ण धैर्य, आत्मसंयम और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देंगे। निशंक ने नीट परीक्षाओं की व्यवस्था के लिए सुदूर उत्तर पूर्वी राज्यों समेत, हरियाणा, गुजरात, गोवा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से बात की है। निशंक ने इस दौरान मुख्यमंत्रियों से नीट परीक्षाओं में छात्रों को आवश्यक सुविधा प्रदान करने की अपील की है। चाहे यू.जी. पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं हो अथवा डिग्री के अंतिम वर्ष की, परीक्षाओं का आयोजन इसलिए आवश्यक है कि परीक्षाओं से ही योग्यता, विश्वसनीयता, छात्रवृत्ति, पुरस्कार, प्लेसमेंट तथा विश्व के किसी भी विश्वविद्यालय में प्रवेश की स्वीकार्यता और बेहतर भविष्य-निर्माण की संभावनाओं में मदद मिलती है।

### 75 लाख कोरोना टेस्टिंग करने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश 75 लाख कोरोना टेस्टिंग करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। रविवार को यूपी के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शनिवार को 1 लाख 47 से अधिक टेस्टिंग करने के साथ ही हमने 75 लाख के आंकड़े को पार कर लिया है। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि टेस्टिंग की संख्या को जल्द ही एक करोड़ तक ले जाना है। 30 सितंबर से पहले उत्तर प्रदेश 1 करोड़ कोरोना टेस्टिंग करने वाला पहला राज्य होगा। अवस्थी ने कहा कि अब प्रतिदिन 2 लाख टेस्ट करने की तैयारी है। अभी यूपी में रोज 1 लाख 40 हजार से अधिक सैंपल्स की जांच हो रही है। उत्तर प्रदेश 75 लाख टेस्ट करने वाला पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि टेस्टिंग की संख्या को 1 करोड़ तक ले जाना है।

## राज्यपाल से मिली पहुंचीं कंगना

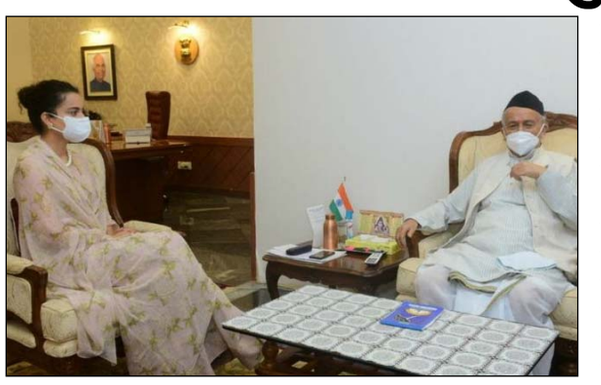

**मुंबई, एजेंसी।** अपना दफ्तर तोड़े जाने के 4 दिन बाद रविवार को कंगना रनोट महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात करने पहुंचीं। उनके साथ बहन रंगोली भी थीं। यह मुलाकात राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के करीब दो घंटे बाद हुई। राज्य की जनता को दिए संबोधन में उद्धव ने कंगना का नाम लिए बगैर कहा कि राज्य में चल रही राजनीति पर वो अभी नहीं, बाद में बोलेंगे। उद्धव ने कहा कि उनकी खामोशी को कमजोरी ना समझा जाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक साइक्लोन आते रहेंगे और वो उनका सामना करते रहेंगे। वहीं राज्यपाल से मिलने के बाद कंगना ने कहा कि राजनीति से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मेरे साथ जो अभद्र व्यवहार किया गया, उसके बारे में मैंने राज्यपाल से बात की। मुझे उम्मीद पर है कि मामले में मुझे न्याय मिलेगा। बीएमसी ने 9 सितंबर को कंगना के पाली हिल स्थित मणिकर्णिका फिल्म्स के दफ्तर में दो घंटे तक तोड़फोड़ की थी। कंगना इस कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट गई थीं, जिसके बाद कार्रवाई रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने भी बीएमसी पर तल्ख टिप्पणी की थी।

कहा था- इतनी तेजी शहर के दूसरे अवैध निर्माणों पर दिखाई जाती तो मुंबई कुछ और होती। अपने दफ्तर पर कार्रवाई के बाद कंगना लगातार महाराष्ट्र सरकार पर हमलावर हैं। बीएमसी की कार्रवाई के बाद 9 सितंबर को ही कंगना ने ट्वीट किया था- आज मेरा घर टूटा है, कल तेरा घमंड टूटेगा, जय महाराष्ट्र। उद्धव ठाकरे! तुझे क्या लगता है, तूने फिल्म माफिया के साथ मिलकर मेरा घर तोड़कर मुझसे बहुत बड़ा बदला लिया है। तुमने बहुत बड़ा एहसान किया है। मुझे पता तो था कि कश्मीरी पंडितों पर क्या बीती होगी। आज मुझे इस बात का एहसास हुआ है। ठाकरे, यह जो क्रूरता और आतंक मेरे साथ हुआ है, उसके कुछ मायने हैं। जय हिंद। जय भारत।

## विमान में फोटोग्राफी पर रोक संबंधी आदेश पर डीजीसीए का यूटर्न

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शनिवार को जारी अपने आदेश को 24 घंटे के भीतर बदलते हुये आज कहा कि 'बोनाफाइड' यात्री चालक दल के सदस्यों की सहमति से विमान के अंदर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर सकते हैं बशर्ते इससे विमान की सुरक्षा को कोई खतरा न हो और विमान के अंदर व्यवस्था बनी रहे। डीजीसीए ने आज जारी आदेश में कहा कि यात्री विमान के अंदर, विमान के उड़ान भरते समय या उतरते समय फोटो ले सकते हैं या वीडियो बना सकते हैं। ऐसा करते समय किसी ऐसे उपकरण के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी जिससे विमान की सुरक्षा को खतरा हो या विमान के अंदर व्यवस्था खराब हो या फिर चालक दल के सदस्यों ने इसके लिए मना किया हो। इससे पहले डीजीसीए ने शनिवार को जारी आदेश में कहा था कि विमान के अंदर बिना अनुमति किसी ने भी फोटोग्राफी की तो उस मार्ग पर संबंधित एयरलाइन की उड़ान पर दो सप्ताह के लिए प्रतिबंध लगा दिया जायेगा। यह प्रतिबंध तभी हटाया जायेगा जब एयरलाइन इसके लिए जिम्मेवार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगी। लेकिन एक दिन बाद ही उसने अपने आदेश को बदल दिया। किफायती विमान सेवा कंपनी इंडिगो की एक उड़ान में फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत की फोटो लेने के लिए मीडियाकर्मियों द्वारा सामाजिक दूरी संबंधी कोविड-19 मानदंडों के उल्लंघन का वीडियो वायरल होने के बाद डीजीसीए ने उड़ानों पर प्रतिबंध संबंधी आदेश दिया था। इन दिनों महाराष्ट्र सरकार के साथ वाक् युद्ध के कारण चर्चा में रहीं कंगना गत 09 सितंबर को इंडिगो की उड़ान से चंडीगढ़ से मुंबई आई थीं।

## दिल्ली में पांचवें दिन भी कोरोना के 4000 से अधिक मामले

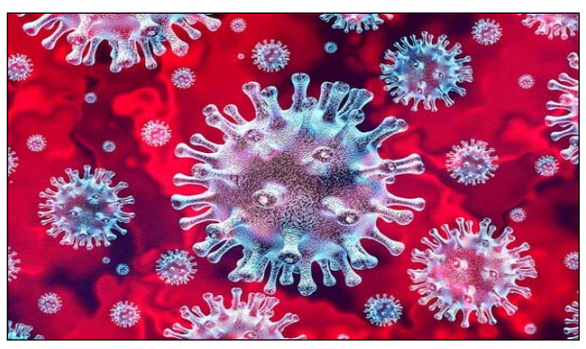

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में कोरोना का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है और लगातार पांचवें दिन रविवार को भी कोरोना वायरस (कोविड-19) के 4000 से अधिक मामले आए। संक्रमण के बढ़ते प्रकोप की रोकथाम के प्रयास में निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या 1480 के पार हो गई। दिल्ली में शुक्रवार को 4266 सामने आये और शनिवार को भी 4,321 नये मामले सामने आये थे। चिंता की एक और बात यह है कि इस दौरान निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या 105 और बढ़कर 1488 हो गई है। उधर नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या कम रहने से ठीक होने की दर भी बराबर घट रही है। रिकवरी दर कल के 84.68 फीसदी से घटकर आज 84.62 प्रतिशत रह गई। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से रविवार को जारी आंकडों में 4,235 नये मरीजों से कुल संक्रमितों की संख्या 2,18,304 पर पहुंच गई। इस दौरान 3,403 और मरीजों के स्वस्थ होने से अब तक कुल 1,84,748 लोग कोरोना वायरस को मात दे चुके हैं। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से 29 और मरीजों की मौत होने से इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,744 हो गयी है। दिल्ली में पिछले 24 घंटों में रिकार्ड 56,656 जांच की गई और इसमें पॉजिटिव दर 7.48 प्रतिशत रही। यहां वायरस के कुल 21,39,432 नमूनों की जांच की जा चुकी है। राजधानी में प्रति 10 लाख पर जांच का औसत 1,12,601 है। दिल्ली का कुल जांच में पाजिटिव दर 10.20 प्रतिशत है। राजधानी में कोरोना के सक्रिय मामले 753 बढ़कर 28,812 पर पहुंच गए हैं। इसमें से होम आइसोलेशन में 15,946 हैं। दिल्ली में मृत्यु दर 2.17 प्रतिशत है।

### योगी सरकार ने अभूतपूर्व ताकतों से लैस यूपी-एसएसएफ का किया गठन

**लखनऊ, एजेंसी।** प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए अब एक ऐसे पुलिस फोर्स का गठन किया है, जो अभूतपूर्व ताकतों से लैस होगी। इस सुरक्षा बल का नाम यूपी स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (एसएसएफ) रखा गया है। सरकार की तरफसे नया अधिनियम बनाकर इस सुरक्षाबल को कुछ विशेष शक्तियां दी गई हैं जो यूपी पुलिस के पास नहीं है। बीती 26 जून को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के द्वारा योगी कैबिनेट में पास हुए इस फोर्स के गठन की अधिसूचना गृह विभाग की ओर से जारी कर दी गई है। यूपी एसएसएफ को बिना वारंट के किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी से लेकर उसके घर की तलाशी लेने तथा असीमित अधिकार की शक्ति दी गई है। इस बल के लोगों पर बिना सरकार की इजाजत लिए कोर्ट को भी कार्यवाही करने का आदेश नहीं दिया गया है। इस सुरक्षा बल का नेतृत्व एडीजी स्तर के अधिकारी को दिया जाएगा।

## चार विधेयकों का विरोध कर अर्थव्यवस्था, कोरोना चीन का मुद्दा संसद में उठाएगी कांग्रेस

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस ने कहा है कि संसद के कल से शुरू हो रहे मानसून सत्र में सरकार की 11 अध्यादेश लाने की योजना है लेकिन पार्टी कृषि एवं बैंकिंग अधिनियम में बदलाव संबंधी विधेयकों का कड़ा विरोध कर अर्थव्यवस्था, कोरोना तथा सीमा पर चीनी घुसपैठ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाएगी। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने रविवार को यहां कहा कि कृषि संबंधी विधेयकों में किसान को मंडी तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य देने जैसी सुविधा देने की व्यवस्था को समाप्त करने का प्रावधान है। इसी तरह से बैंकिंग विधेयक में बदलाव कर किसानों के ऋण में छूट संबंधी अधिकारों को खत्म कर आम लोगों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाला प्रावधान है इसलिए कांग्रेस कृषि संबंधित तीनों विधेयकों के साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में बदलाव वाले अध्यादेश का कड़ा विरोध करेगी। प्रवक्ता ने कहा कि संसद में इन विधेयकों के खिलाफ विपक्ष को एकजुट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में सरकार बहुमत में नहीं है इसलिए इन विधेयकों को पारित नहीं होने देने के लिए पार्टी विपक्षी दलों के संपर्क में है। प्रवक्ता ने कहा कि सत्र में सरकार की योजना प्रधानमंत्री केयर फंड को लेकर भी अध्यादेश को पारित कराने की है लेकिन कांग्रेस का इसको लेकर भी सवाल है। उनका कहना था कि इस निधि में जमा पैसे को लेकर पारदर्शिता हो और कैग से इसकी जांच कराने का प्रावधान विधेयक में किया जाना चाहिए। श्री रमेश ने कहा कि अर्थव्यवस्था की स्थिति भयावह हो चुकी है और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है इसलिए कांग्रेस इस मुद्दे को भी संसद में जोर-शोर से उठाएगी। अर्थव्यवस्था को लेकर भी सरकार की नीति के संबंध में सवाल पूछा जाएगा कि वह अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए क्या उपाय कर रही है। बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है और लघु उद्योग के समक्ष संकट खड़ा हो गया है, इस पर भी सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों और इससे निपटने में इसकी असफलता को लेकर भी सरकार से सवाल पूछे जाएंगे। साथ ही इसके कारण बेरोजगार लोगों को रोजगार मुहैया कराने के संबंध में भी सरकार से जानकारी ली जाएगी। श्री रमेश ने कहा कि चीन सीमा पर चीनी सैनिकों की घुसपैठ का मुद्दा सबसे बड़ा संकट बना हुआ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर देश को गुमराह करने का प्रयास किया था।

# लखनऊ में कोरोना अब भाड़ में जाये वाली स्टेज मे

**■ प्रतिदिन बढ़ते कोरोना केस व मौतों के बाद भी लखनऊवासी लापरवाह**
**■ कोराना बम फूटने के बाद भी न मास्क न सोशल डिस्टेंसिंग**

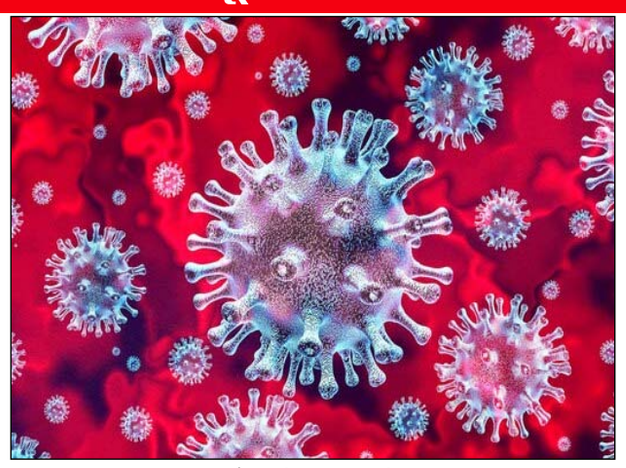



**लखनऊ, संवाददाता।** राजधानी में कोरोना केस प्रतिदिन एक हजार से अधिक का आंकड़ा पार कर नये रिकार्ड बना रहा है। वही प्रतिदिन कोरोना से होने वाली मौतो की संख्या भी बढ़ती जा रही है। परन्तु इन सबसे लखनऊवासियों को कोई फर्क नही पड़ रहा है। उनके अनुसार अब कोरोना भाड़ में जाय। कहां तक बचाव करें। जिला प्रशासन और सरकार के सारे प्रयासों और सावधानियों पर लखनऊवासी पानी फेर रहे है। खाने पीने की दुकाने हो या बाजार हो सभी जगहों पर भारी भीड़ ही भीड़ नजर आ रही है। चाहे सिटी स्टेशन की रामस्वरूप की पूड़ी की दुकान हो, हीवेट रोड की रति और दुर्गा खस्ते की दुकान हो खाने के शौकीन बिना मास्क एक-दूसरे पर लदे जा रहे है। यही हाल राजधानी के सभी बाजारों के भी है। बाजारों की भीड़ देखकर नहीं लगता है कि राजधानी में हजार से ऊपर प्रतिदिन कोरोना के केस मिल रहे है। अनलॉक 4.0 में कोरोना के केस और उससे हाने वाली मौतों की सेख्या के नये रिकार्ड बन रहे है। लाकडाउन खत्म होने के बाद पुलिस भी आराम से बैठकर केवल हेलमेट चेक्रिग कर रही है। आम आदमी भी सामान्य ढंग से जीवन जी रहा है। अब उसे भी कोरोना की कोई परवाह नहीं है। बाजारों में लोग न तो मास्क लगा रहे है न सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते दिखायी दे रहे है। सरकार ने भी लाकडाउन खत्म कर गेंद जनता के पाले में डाल दी है। अब लोग संक्रमित हो मरें या लियें जनता ही जिम्मेदार है। हालात देखकर तो यही लगता है कि लखनऊ में कोरोना अब भाड़ में जाय वाली स्टेज पर आ चुका है। अब यहां के लोगों को कोरोना का कोई भय नहीं रह गया है।

## मुख्यमंत्री ने सुदीक्षा भाटी के परिवार को 15 लाख रु0 की आर्थिक सहायता की घोषणा की

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत सुदीक्षा भाटी के परिवार को 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिये जाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि सुश्री भाटी की स्मृति में उनके गांव में बच्चों के लिए पुस्तकालय एवं प्रेरणा स्थल का निर्माण कराया जाएगा। यह जानकारी आज यहां देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री से आज उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर सुश्री सुदीक्षा भाटी के माता-पिता एवं मामा ने भेंट की। उनके साथ राज्य सभा सांसद सुरेन्द्र नागर एवं विधायक तेजपाल नागर भी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुश्री सुदीक्षा भाटी के परिजनों को हर सम्भव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि सुश्री भाटी देश की बेटी थीं। उन्होंने अपने संघर्ष, परिश्रम और मेधा से देश का नाम रोशन किया है। सुश्री सुदीक्षा भाटी की स्मृति में निर्मित कराया जाने वाला प्रेरणास्थल तथा पुस्तकालय छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणादायी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

## विपक्ष ने कहा सरकारी नौकरी से पहले पांच साल की संविदा बर्दाश्त नहीं करेंगे

**लखनऊ, संवाददाता।** सरकारी नौकरियों की शुरूआत पांच साल की संविदा से करने की कवायद का खुलासा होने के बाद विपक्ष ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय और सपा एमएलसी सुनील सिंह यादव ने युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते प्रदेश सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। प्रियंका गांधी ने रविवार को ट्वीट कर कहा, युवा नौकरी मांग रहे हैं और योगी सरकार उन्हें संविदा पर रखने का प्रस्ताव ला रही है। सरकार का यह प्रस्ताव जले पर नमक छिड़कने जैसा है। युवाओं को चुनौती दी जा रही है। प्रियंका ने कहा कि गुजरात में यही सिस्टम लागू है। एक तय तनख्वाह पर युवाओं से जबरन वर्षों तक नौकरी कराई जाती है। परमानेंट नहीं करते। लेकिन हम उत्तर प्रदेश के युवाओं का आत्मसम्मान नहीं छीनने देंगे। वहीं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, देश के युवाओं जाग जाओ, तुम्हारी बर्बादी की कहानी भाजपा ने लिख दी है। तुमको धर्म का नशा देकर रोजगार व सरकारी नौकरी सब छीन ली और तुमको बिना सैलरी के ताली-थाली बजाने में लगा दिया। सपा एलएमलसी सुनील सिंह यादव ने कहा, युवाओं की दुश्मन योगी सरकार सरकारी नौकरियों में भी ठेका लागू करने जा रही हैं। परीक्षा से आये समूह ख व ग के कर्मचारियों को 5 साल तक संविदा पर रखा जाएगा और इस बीच सरकार उन्हें जब चाहे तब बाहर कर सकेगी। यह युवा, कर्मचारी विरोधी तानाशाही भरा कदम है। इसका सदन से सड़क तक विरोध होगा।

## बसपा विधायक असलम राइनी का अफसरों पर गंभीर आरोप, सीएम योगी से की शिकायत

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश में हाल ही में कई अफसरों के खिलाफशिकायतें सामने आई हैं, जिस पर सीएम योगी की ओर से तत्काल कार्रवाई कर आरोपी अफसरों के निलंबित भी किया गया। हालांकि अब इस क्रम में बहुजन समाज पार्टी के विधायक असलम राइनी ने भी अफसरों की बढ़ती मनमानी को लेकर सीएम योगी को पत्र लिखा है और साथ की तत्काल कार्रवाई की मांग की है। विधायक असलम राइनी ने सीएम योगी को पत्र लिखकर अफसरों पर गंभीर आरोप लगाया है और यह मांग की है कि सीएम योगी जल्द से जल्द आरोपी अफसरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा है कि जनहित कार्यों में संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी रुचि नहीं ले रहे हैं, ऐसे में इसका जिम्मेदार कौन है। इसके साथ ही उन्होंने श्रावस्ती जिले के सीडीओ पर 11 महीने तक फाइल लटकाने के साथ ही कमीशन मांगने का आरोप भी लगाया है। बसपा विधायक ने कहा है कि भाजपा राज में जीरो टॉलरेंस की नीति में विधायक से भी धन की उगाही की जा रही है। इन आरोपों के जरिए बसपा विधायक ने आरोपी अफसरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। आपको बता दें कि इस मामले से जुड़ा विधायक असलम राइनी का एक पत्र भी काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

## किसान विरोधी तीन अध्यादेश रद्द करोः बृज बिहारी

**लखनऊ, संवाददाता।** अखिल भारतीय किसान मजदूर संघर्ष समन्वय समिति द्वारा 14 सितम्बर को किसान विरोधी तीन अध्यादेशों को रद्द करने की मांग पर आयोजित देशव्यापी ÷किसान मुक्ति आन्दोलन÷ में मजदूर किसान मंच शामिल रहेगा. यह बात आज मजदूर किसान मंच के महासचिव डा. बृज बिहारी ने कही. आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व आई. जी. एस. आर. दारापुरी ने भी कल ÷किसान मुक्ति आन्दोलन÷ और युवा संगठनों के ÷रोजगार बने मौलिक अधिकार÷ पर आयोजित रोजगार अधिकार दिवस का समर्थन किया है. डा. बृज बिहारी ने कहा कि सरकार द्वारा जारी कृषि सम्बन्धी तीन अध्यादेश पहला कृषि उपज, वाणिज्य एवं व्यापर (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश-2020, दूसरा मूल्य आश्वासन पर (बंदोबस्ती और सुरक्षा) समझौता कृषि सेवा अध्यादेश 2020 और तीसरा आवश्यक वस्तु अधिनियम (संशोधन) अध्यादेश -2020 किसान और मजदूर विरोधी हैं।

## अपराध को रोकने के लिए कमिश्नर ने क्राइम मीटिंग में पुलिस अधिकारियों पर कसे पेंच

**लखनऊ, संवाददाता।** राजधानी लखनऊ में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को लेकर पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पुलिस अधिकारियों की जमकर क्लास ली है। उन्होंने क्राइम कंट्रोल के लिए सख्त निर्देश दिए और लापरवाह पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। सूबे में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस आयुक्त सुजीत कुमार पांडेय ने पुलिस लाइन सभागार में रविवार सुबह क्राइम मीटिंग की है। इस मीटिंग में पूर्वी और उत्तरी क्षेत्र के डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और इंस्पेक्टर मौजूद रहे। अपराध नियंत्रण में फेल आशियाना इंस्पेक्टर संजय राय को कमिश्नर ने जमकर लताड़ लगाई। थाना प्रभारी आशियाना को लूट का खुलासा न कर पाने के चलते चेतावनी दी गई है। उन्होंने गोमती नगर, मड़ियांव, जानकीपुरम, महानगर, अलीगंज सहित कई थानेदारों की क्राइम कंट्रोल को देखकर पेच कसे। उन्होंने वांछितों की गिरफ्तारी नहीं होने, लंबित विवेचनाओं पर नाराजगी जताई। साथ ही घटनाओं का खुलासा नहीं होने पर जमकर क्लास ली। उन्होंने वांछितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी और लंबित विवेचाओं का शीघ्रता से निस्तारण करने के आदेश दिए। वहीं चिनहट और विभूतिखण्ड थानेदार की तारीफ भी की है। बता दें कि हाल ही में चिनहट और विभूतिखंड में वाहन चोरों के सबसे बड़े नेटवर्क के अलावा शराब तस्करों के गिरोह का भंडाफोड़ किया गया था। इसके अलावा दक्षिणी पश्चिमी और मध्य जोन की बैठक भी की गई। जिसमें पुलिस आयुक्त ने अनसुलझी वारदातों पर सवाल जवाब किये। बैठक में पुलिस कमिश्नर ने आगामी त्यौहारों के चलते खास सतर्कता बरतने, अपराधियों के खिलाफअभियान चलाने, सड़क पर गश्त की व्यवस्था दुरुस्त करने, पुलिस की जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने और कार्यवाही करने, वाहन चेकिंग बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

## भाजपा सरकार अब युवाओं के विरोध में आ गईः अखिलेश

**लखनऊ, संवाददाता।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा केवल अपने राजनीतिक विस्तार और सत्ता पर एकाधिकार को ही विकास मानती है। यही कारण है कि प्रदेश में विकास कार्य अवरूद्ध हैं और समाजवादी सरकार ने जनहित की जो योजनाएं लागू की थी उन्हें बढ़ाने के बजाय धीरे-धीरे खत्म करने की साजिशें हो रही है। युवाओं के प्रति तो उसका रवैया शुरू से ही संवेदनाशून्य रहा है। भाजपा की गलत नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश पिछड़ता ही जा रहा है। कानून व्यवस्था और कारोबार दोनों चौपट हैं। परेशान हाल नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। अजीब बात है कि डबल इंजन सरकार होते हुए भी उत्तर प्रदेश में मेट्रो की गाड़ी टस से मस नहीं हुई। समाजवादी सरकार ने इसकी शुरूआत लखनऊ से की थी। आज भी यह यहीं तक सीमित रह गई है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के क्षेत्रों की जनता आज तक मेट्रो के दर्शन नहीं कर सकी। समाजवादी सरकार ने महिलाओं से सम्बन्धित अपराध नियंत्रण के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन सेवा शुरू की थी। इसे खत्म करने की साजिशें हो रही है। समाजवादी सरकार ने महिला सशक्तीकरण के लिए जनकल्याण की 181 महिला हेल्पलाइन सेवा शुरू की थी भाजपा सरकार इसको भी समाप्त कर रही है। इससे जुड़ी कर्मचारियों को साल भर से वेतन नहीं दिया जा रहा है। उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर किया जा रहा है।

## बेरोजगारी की फौज का मजाक उड़ाते हुए सरकार 05 साल बंधुआ मजदूरों की तरह काम लेना चाहती है

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोरोनाकाल महामारी के दरमियान ही कर्मचारियों के शोषण करने का एक नया तरीका निकाल लिया है उन्होंने किसी भी कर्मचारी की भर्ती के बाद 05 वर्ष तक उसकी समीक्षा करने का निर्णय लिया है और हर 06 महीने में समीक्षा की जाएगी पीसीएस एवं उससे ऊपर के अधिकारियों को श्रेणी में नही रखा गया है जो कर्मचारी नियुक्त होगा उसको 05 वर्ष तक मानदेय आउसोर्सिंग निर्धारित वेतन मिलेगा वह कर्मचारी काम करेगा जो कर्मचारी नया नियुक्त होगा वह उन महत्वपूर्ण पदों पर भी रहेगा जो समीक्षा जैसे महत्वपूर्ण पद होते हैं एकाउंटिंग से लेकर मॉनिटरिंग के भी कार्य होते हैं सभी अधिकारियों के दबाव में रहेंगें और उन नियमों का पालन किसी कीमत पर अधिकारियों से नहीं करा पाएंगे क्योंकि अधिकारी जैसा चाहे वैसा उनको लिखना अथवा प्रस्तुत करना उनकी मजबूरी होगी क्योंकि हर 06 महीने में नौकरी से निकाला जाएगा प्रत्येक विभाग में प्रत्येक पद के लिए कार्मिक नियमावली हुई है कर्मचारियों के मौलिक अधिकार भी है जो हनन की श्रेणी में आता है और यह प्रतीती होता है कि इस बेरोजगारी की फौज का मजाक उड़ाते हुए सरकार उन्हें 05 साल बंधुआ मजदूरों की तरह काम लेना चाहती है और उसे बाद सरकार बदल जाएगी फिर दूसरी सरकार नए नियम लाकर उनको नौकारी से बाहर कर देगे अथवा अपने लोगों को नौकारी देने का प्रयास करेंगे यह पूरी तरह से बेरोजगार समाज एवं कर्मचारी समाज का मजाक है अगर यही व्यवस्था करनी है विधायक सांसद मंत्रियों सभी पर लागू होनी चाहिए क्योंकि उन्हें भी बिल्कुल विधाई कार्यों अथवा सम्बधित विभाग का ज्ञान नही होता है उन्हें भी ट्रेनिंग कराई जानी चाहिए उसके बाद ही उनका वेतन आदि मिलना चाहिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह बिल्कुल भी उचित नहीं है कर्मचारी समाज पूर्ण रूप से सहमत है सरकार के खिलाफअपनी उचित बात के लिए बड़े आन्दोलन किए जाए।

## कोरोना काल मे ऐतिहासिक नक्खास की साप्ताहिक बाजार बन्दी की आज सिल्वर जुबली

**25 हफ्तों से साप्ताहिक बाजार बन्दी का दंश झेल रहे है छोटे दुकानदार**

**लखनऊ, संवाददाता।** पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेकर लाखो लोगो की जिंदगियां निगलने वाले कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए भारत मे 25 मार्च से लगातार 68 दिनों तक लॉक डाउन रहा इस दौरान आवश्यक वस्तुओं को छोड़ कर कोई भी दुकान या बाजार नही खुले हा ये जरूर है कि 25 से भारत मे लागू हुए लॉक डाउन के 40वें दिन भारत की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने के लिए शराब की दुकानों को खोला गया था। लॉक डाउन से कोरोना वायरस की रोकथाम तो नही हो पाई कोरोना वायरस लगातार विस्तार करता गया अस्पतालों में मरीजों के लिए जगह कम पड़ने लगी कोरोना के हजारो मरीजों को उनके घरों में ही आइसोलेट किया गया। 68 दिनों के लॉक डाउन के बाद देश को अनलॉक किया गया और एक के बाद एक छूट देशवासियो को मिलती गई लेकिन 4 महीने के अनलॉक के बाद अगर किसी को कारोबार करने की इजाजत नही मिली तो वो है साप्ताहिक बाजारो में छोटी छोटी दुकानें लगा कर अपना घर चलाने वाले गरीब दुकानदारों को। 25 मार्च से लेकर अब तक 25 रविवार बीत चुके है जब से लेकर आज तक पुराने लखनऊ में करीब सौ सालों से नक्खास में रविवार को लगने वाली साप्ताहिक बाजार का ताला नही खुला। पुराने लखनऊ की इस साप्ताहिक बाजार से हजारो छोटे दुकानदारों की रोजी रोटी जुड़ी है। नक्खास साप्ताहिक बाजार की बन्दी के रविवार की आज सिल्वर जुबली यानी आज 25 वां रविवार है 25 मार्च से 13 सितंबर तक कुल 183 दिन बीत गए।

## प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी पर जबानी जमाखर्च कर रही है योगी सरकार

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा है कि देश और प्रदेश में भयंकर रूप से बढ़ती बेरोजगारी और लगातार गिरती अर्थव्यवस्था से प्रदेश के युवाओं का भविष्य खतरे में है जिससे छात्र-युवा हताश और निराश हैं। ऐसे समय उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का नयी नियुक्तियों को पहले 5 साल संविदा पर रखे जाने के प्रस्ताव का लाया जाना यूपी के छात्र-छात्राओं और युवा वर्ग के साथ ऐतिहासिक अन्याय जैसा कृत्य है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने जारी बयान में कहा कि प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश में नए रोजगार सृजन के मामले में पूरी तरह से फेल हो चुकी है। जिन युवाओं को हसीन ख्वाब दिखा कर वो सत्ता में आये थे आज उन्हीं के साथ वो ऐतिहासिक छल कर रहे है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि जब युवा रोजी-रोटी की चिंता में नौकरी मांगता है, रूकी हुई परीक्षाएं कराने और अटकी भर्तियां घोषित करने की मांग करता है तो भाजपा के नेता कुत्ता पालने, खिलौना बनाने, पकौड़ा बनाने की सलाह देते हैं जिससे यह साफ होता है कि भाजपा नेत्रत्व का शिक्षा और युवाओं के भविष्य से कोई सरोकार नहीं रह गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश के छात्र नौजवानों ने द्वारा बेरोजगारी और चौपट अर्थव्यवस्था के विरोध में ताली-थाली बजाकर विरोध दर्ज कराने का अभियान चलाया गया जिसे युवाओं, छात्रों का भरपूर समर्थन हासिल हुआ है। उस विरोध प्रदर्शन के दर्द को समझने और निस्तारित करने के बजाये इस तरह के फैंसले लेने का मतलब साफ है कि मौजूदा योगी सरकार रोजगार विरोधी और युवा विरोधी है।

## घर बैठे ओपेन बुक से दे सकते है विद्यार्थी विज्ञान मंथन की प्रतिभा खोज परीक्षा

**लखनऊ, संवाददाता।** कक्षा छः से कक्षा ग्यारह तक के स्कूली बच्चों में अपनी समृद्ध व सांस्कृतिक विरासत और विज्ञान के विकास में योगदान देने वाले भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान से परिचित कराने हेतु साथ ही उनमें विज्ञान, तकनीक और गणित विषयों आदि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विद्यार्थी विज्ञान मंथन राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस बार यह राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा 29 और 30 नवंबर 2020 को आनलाइन आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का आयोजन विज्ञान प्रसार, विज्ञान भारती तथा एनसीईआरटी द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में आनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 सितम्बर है। इस प्रतियोगिता में बच्चों को राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभाग करने का मौका मिलता है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन के प्रदेश समन्वयक सुशील द्विवेदी ने बताया कि प्रतियोगिता में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेगे।

## मुख्यमंत्री ने रघुवंश प्रसाद सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ राजनेता रघुवंश प्रसाद सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। आज यहां जारी एक शोक संदेश में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से सम्बन्ध रखने वाले श्री सिंह सादगी की अप्रतिम मिसाल थे। केन्द्रीय ग्राम्य विकास मंत्री के रूप में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किये। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

## मायावती की राज्य सरकारों से अपील- घर लौटे श्रमिकों को काम का मौका दे सरकारें

**लखनऊ, संवाददाता।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने केन्द्र और राज्य सरकारों से अपील की है कि वे घर लौटे उत्तर प्रदेश और बिहार के मनरेगा श्रमिकों को काम के अवसर प्रदान करें। मायावती ने रविवार को ट्वीट किया '' आंकड़े फिर गवाह हैं कि देश के करोड़ों श्रमिक संघर्षशील जीवन व मेहनत की रोटी खाने की परम्परा पर लगातार डटे हैं। खासकर यूपी व बिहार में घर लौटे प्रवासी श्रमिक मनरेगा के तहत श्रम करके परिवार का पेट जैसे-तैसे पाल रहे हैं।

**बिजली अभियंताओं की सांसदों से अपील, कहा**

## जल्दबाजी में पारित न करें विद्युत विधेयक

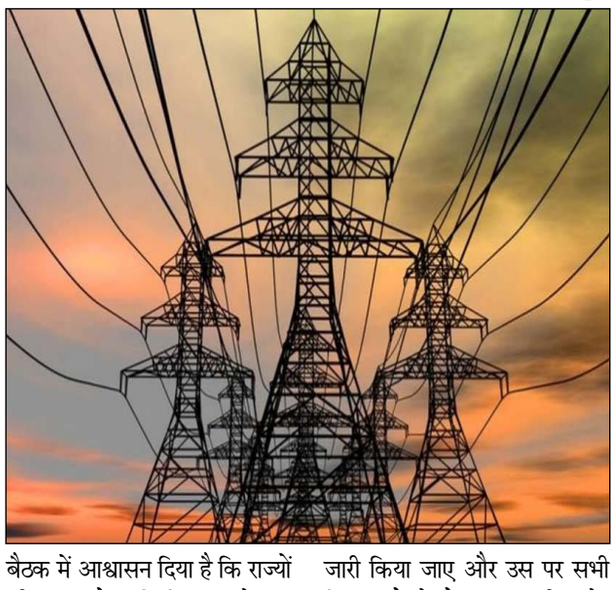



**लखनऊ, संवाददाता।** बिजली अभियंताओं के एक अखिल भारतीय संगठन ने सांसदों से विद्युत (संशोधन) विधेयक को सोमवार से शुरू हो रहे संसद सत्र के दौरान जल्दबाजी में पारित न करने की अपील की है। ऑल इण्डिया पॉवर इन्जीनियर्स फेडरेशन ने सभी सांसदों को पत्र लिखकर विद्युत (संशोधन) विधेयक-2020 को जल्दबाजी में संसद में न पारित करने की अपील की है। फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने रविवार को बताया कि शनिवार को भेजे गए पत्र में सांसदों से विधेयक को संसद की स्थाई समिति में भेजने में प्रभावी भूमिका निभाने का अनुरोध किया है ताकि विधेयक पर सभी हित धारकों को अपनी राय रखने का पूरा अवसर मिल सके। दुबे ने कहा कि केंद्रीय विद्युत मंत्री आरके सिंह ने राज्यों के बिजली मंत्रियों की पूर्व में आयोजित बैठक में आश्वासन दिया है कि राज्यों की राय को सम्मिलित करते हुए बिल में संशोधन किया जाएगा लिहाजा सांसदों को मांग करनी चाहिए कि बिल को संसद में रखने के पहले नया संशोधित मसविदा जारी किया जाए और उस पर सभी हितधारकों से दोबारा राय ली जाये। दुबे ने बताया कि फेडरेशन ने साथ ही सभी राज्यों के मुख्यमन्त्रियों को भी पत्र भेजकर बिल वापसी के लिए प्रभावी भूमिका निभाने की अपील की है। फेडरेशन ने पत्र में कहा है कि संविधान में बिजली समवर्ती सूची में है, जिसका मतलब है कि बिजली के मामले में राज्यों का बराबर का अधिकार है। ऐसे में देश के कई प्रान्तों की सरकारों द्वारा विद्युत (संशोधन) विधेयक-2020 के कई प्राविधानों पर गंभीर सवाल खड़ा कर देने के बाद जरूरी हो गया है कि बिल को वापस लिया जाये और बिल के सभी विवादस्पद प्राविधानों पर राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों खासकर बिजली उपभोक्ताओं और बिजली कर्मचारियों तथा इंजीनियरों के फेडरेशनों से विस्तृत वार्ता की जाए। दुबे ने कहा है कि बिल में कई दूरगामी परिवर्तन किये जा रहे हैं जिसमें बिजली का निजीकरण और सब्सीडी समाप्त करना भी शामिल है जिससे बिजली किसानों और गरीबों की पहुँच से दूर हो जाएगी।

## राजद के कद्दावर नेता रघुवंश प्रसाद के निधन पर प्रियंका और अखिलेश ने दी श्रद्धाजंलि

**लखनऊ, संवाददाता।** ग्रामीण भारत की राजनीति के पुरोधा और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कद्दावर नेता रघुवंश प्रसाद सिंह के निधन पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दुख व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की है। सांस की बीमारी से ग्रस्त सिंह का रविवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान में निधन हो गया था। सपा अध्यक्ष ने ट्वीट किया '' पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रघुवंश प्रसाद जी के आज दिल्ली के एम्स में हुए निधन से देश ने गरीबों के लिए बुलंद आवाज से तर्क रखने वाले एक जमीनी और समर्पित नेता को खो दिया है। भावभीनी श्रद्धांजलि! वाड्रा ने ट्वीट किया '' ग्रामीण इलाकों, खेत-खलिहानों और सामाजिक न्याय की मजबूत आवाज रघुवंश प्रसाद सिंह का निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूर्णीय क्षति है।

## ध्वस्त अर्थव्यवस्था को उबारने की मांग को लेकर भाकपा आज देश भर में करेगी आंदोलन

**लखनऊ, संवाददाता।** भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आरोप लगाया है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों (एमएसएमई) को बचाने अथवा उनके उच्चीकरण के बारे में केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार के सारे दावे खोखले हैं। यदि सरकारें सचमुच इन इकाइयों को प्रमोट करना चाहती हैं तो उन्हें सीधे आर्थिक मदद के लिये पैकेज की घोषणा करनी होगी। उन्हें आर्थिक मदद की जिम्मेदारी बैंकों पर डाल देने से न तो बेरोजगारों को काम मिलेगा, न -23. 9 प्रतिशत तक गिर चुकी जीडीपी ऊपर आयेगी और न भारत आत्मनिर्भर बन सकेगा। एक प्रेस बयान में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव डा? गिरीश ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में राज्य और जिले का उद्योग विभाग एमएसएमई के निर्माण अथवा उच्चीकरण के लिये अभ्यर्थियों से प्रस्ताव लेकर कर्ज के लिये क्षेत्र की बैंकों के पास भेज देते हैं। लेकिन बैंकें उन्हें रद्दी की टोकरी में डाल देती हैं। सरकारी योजनाओं में दिये कर्जो के फंसने से बैंकें फूंक फूंक कर कदम उठा रही हैं और कर्ज देने से हिचकिचा रही हैं। अतएव यदि सरकार लघु उद्यमियों की मदद करना चाहती है तो उनकी इकाइयों को सीधे धनराशि उपलब्ध कराये। सरकार की मौजूदा नीति के चलते समूचे उत्तर प्रदेश में लघु-मध्यम उद्यम लगाने या उन्हें उच्चीक्रत करने को उत्सुक लाखों लाख लघु उद्यमी दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। इस संदर्भ में सबसे सटीक उदाहरण जनपद- सहारनपुर की तहसील देवबंद के ग्राम-तैय्यबपुर बड़ा निवासी श्री चन्द्रपाल का है।

शिक्षित और उत्साही चंद्रपाल अपने बल पर छोटे पैमाने पर मशरूम उगाने और फूड प्रोसेसिंग के काम में दशकों से जुटे हैं। अनेक पुरुस्कार और प्रशस्ति पत्र पा चुके हैं। बैंकों से जब भी छोटा मोटा कर्ज लिया समय पर चुकता करने के सर्टिफिकेट्स हासिल किये बैठे हैं। अनुसूचित जाति के युवा श्री चंद्रपाल की उद्यमशीलता से जनपद के उच्चाधिकारी और संबंधित विभाग सुपरिचित हैं। उनके बारे में यदि सबकुछ लिखा जाये तो एक महाग्रंथ बन जायेगा। किसी व्यक्ति विशेष के बारे में यह सब लिखने का तात्पर्य सरकार को सच्चाई से अवगत कराना है, न कि उसकी प्रशंसा करना। इन्हीं चन्द्रपाल ने सरकार के परिपत्रों का संज्ञान लेते हुये अपनी रजिस्टर्ड और क्रियाशील इकाई ÷पोराला फूड्स प्रोसेसिंग केन्द्र÷ के उच्चीकरण के लिये खाद्य एवं प्रसंस्करण विभाग, सहारनपुर को नियमानुसार प्रस्ताव दिया। विभाग ने प्रस्ताव स्वीक्रत कर सेंट्रल बैंक आफइंडिया शाखा- मंझौल को भेज दिया। बैंक मैनेजर ने यह कह कर कि सरकार ने प्रस्ताव भेजा है तो पैसे भी सरकार से ले लो, प्रस्ताव खारिज कर दिया। इस पूरे प्रकरण में भागदौड़ और आवश्यक कागजात तैयार करने में धन और समय की हानि हुयी सो अलग।

## चुनाव के शपथ पत्र में झूठी सूचना देना भाजपा पार्षद को पड़ा भारी, इनकी शिकायत पर दर्ज हुआ केस

गोरखपुर/ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में चुनाव के दौरान शपथ पत्र में खुद पर दर्ज मुकदमों का जिक्र न करने के मामले में भाजपा पार्षद चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ कैंट थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। चंद्रशेखर सिंह पर कई मुकदमे दर्ज हैं ।जानकारी के मुताबिक, वार्ड नंबर 34 शाहपुर से भाजपा पार्षद चंद्रशेखर सिंह ने नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2017 में नामांकन के दौरान शपथ पत्र दिया था। आरोप है कि पार्षद ने शपथ पत्र में उनके ऊपर दर्ज मुकदमों का जिक्र नहीं किया था। शिकायत पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जग नारायन ने जांच की तो आरोप सही मिला।छानबीन में पता चला कि चंद्रशेखर सिंह पर शाहपुर थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं। जिसकी जानकारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने उच्चाधिकारियों को दी। उनके निर्देश पर विधिक राय लेकर मुकदमा दर्ज करने के लिए 26 अगस्त को कैंट थाने में तहरीर दी थी।एसएसपी जोगेंद्र कुमार के आदेश पर कैंट पुलिस ने शुक्रवार की रात में चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ मिथ्या तथ्य देने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ कैंट सुमित शुक्ल ने बताया कि सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सहायक निर्वाचन अधिकारी जग नारायण मौर्या ने बताया कि आयोग में एक शिकायत की गई थी। जिसके बाद जांच कराई गई तो कई मुकदमों का जिक्र नहीं करा पाया। इसी आधार पर केस दर्ज कराया गया है।

# जिलाधिकारी डॉ उज्ज्वल कुमार ने किया आकस्मिक निरीक्षण

**महराजगंज।** जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार व मुख्य विकास अधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा निमार्णाधीन पं. कमला कान्त बसन्ती मिश्रा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुघुली का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्यों को परखा। निरीक्षण में भवन निमार्ण एजेन्सी के कार्य पर असन्तोष व्यक्त करते हुए तृस्तरीय कमेटी पीडब्लूडी के अधिशासी अभियन्ता, डिप्टी कलेक्टर तथा लेखा विभाग से जाच कराने का निर्देश भी दिया। आपको बता दें कि इस स्वास्थ्य केन्द्र की स्वीकृति वर्ष 2007-08 में 302. 94 लाख में हुआ जिसका निमार्ण एजेन्सी पीएसीएल गोरखपुर है। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निमार्ण समय से नही होने पर विभाग व एजेन्सी द्वारा पुनःरीक्षित आगणन वर्क टूबीडन के आधार पर कुल धनराशि 526.85 शासन से स्वीकृत होने के पश्चात 146.50 लाख की स्वीकृति सितम्बर 2016 में प्राप्त हुआ एजेन्सी द्वारा बताया गया कि 449.44 लाख लागत लगा हुआ है। जिलाधिकारी के निरीक्षण में भवन मानक अनुकूल न होने के कारण नाराजगी व्यक्त किया तथा अधूरे पड़े कार्यों को शीघ्र पूरा कराने का निर्देश एजेन्सी को दिया है। निरीक्षण के दौरान सीएमओ एके श्रीवास्तव, एम वाई सी घुघुली,पीडब्लूडी सहायक अभियन्ता व पीएसीएल एजेन्सी की जेई मौजूद रहे।

## सड़क का शिलान्यास करने पहुंचे जिला पंचायत सदस्य

नौतनवा जिला पंचायत क्षेत्र के ग्राम सभा लोहसी में सड़क का शिलान्यास करने पहुंचे जिला पंचायत सदस्य वसीम खान ग्राम सभा में पहुंचते ही वहां के प्रधान लोचन वा पूर्व प्रधान बबुन्ना ने श्री खान को माला पहनाकर स्वागत किया श्री खान ने क्षेत्र में हो रहे विकास का श्रेय जनता को दिया इस कार्यक्रम में शाकिर अली आरिफ़ खान मो अजीज खान आबिद अली रहिल अंसारी इक़बाल अहमद सद्दाम जय प्रकाश रामबिलास रज्जाक लालमन सत्तर लल्ला गुड्डू आदि लोग मौजूद रहे।

## कोरोना में महामारी में हो रहे घोटालों के खिलाफ कांग्रेस का लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन

**लखनऊ।** हिरासत में लिए गए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने भेजा जेल। प्रदेश सचिव मनोज तिवारी, संजय सिंह, अंकित सक्सेना, रोहित अवस्थी और नीरज चौहान को भेजा जेल। विधानसभा लखनऊ के सामने कोरोना काल मे हो रहे घोटालों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे कांग्रेसी।

# राजनीति में युवाओं का दखल जरूरी राहुल तिवारी (युवा नेता)

**छावनी।** भारत में प्रजातंत्र शब्द का मतलब विरोधाभाषी होता जा रहा है। चुनाव और पद मिलने के बाद जिम्मेदार आगे बढ़ रहे हैं और जनता पीछे छूट रही है। ऐसा सालों से चल रहा है। सत्ता हासिल करने के बाद जनता की भावनाएं नेताओं के लिए कोई महत्व नहीं रखती है। इसके कारण समाज भी पिछड़ता जा रहा है। पहले के नेता समाज में मूल्यों के लिए जीते थे और अब इसके मायने बदल रहे हैं। इसके कारण युवाओं को इसके प्रति ध्यान देना बेहद जरूरी हो गया है। हर छोटी और बड़ी घटनाओं पर मंथन करें तो सामने आता है कि ऐसा जिम्मेदारों के समाज से कट जाने के कारण होता है। यह भी हैरानी की बात है कि शिक्षा व्यवस्था में प्रजातंत्र जैसी बातों को काफी कम महत्व दिया जाता है। इसके कारण लोगों इसके प्रति ज्ञान का अभाव भी समाज को कमजोर बना रहा है। इसके लिए सबसे जरूरी है कि वे युवा जो नई सोच रखते हैं। समाज को आगे लेकर जाने की इच्छाशक्ति रखते हैं और ईमानदारी से वह सबकुछ करने का जिससे समाज समाज में बदलाव आए उन्हें उन्हें आगे आना चाहिए। युवा ही इसकी दिशा बदल सकते हैं। अच्छी पढ़ाई और ज्ञानवान यूथ को इसके प्रति सोचना होगा। सत्ता का मोह छोड़कर जनता और समाज के हितों के बारे में सोचना होगा। इसके बाद समाज में बदलाव निश्चत होना तय है। कुछ युवाओं का ध्यान अपनी पढ़ाई या प्रतियोगी परीक्षाओं पर रहता है, इसलिए वे राजनीति में नहीं जाना चाहते। आज भी अच्छे घरों के उच्च शिक्षित युवा राजनीति में अपना करियर बनाना चाहते हैं। कई विसंगतियां जो हमें देश की राजनीति में दिखती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए देश के युवाओं को आगे आना होगा। देश की राजनीति को सुधारने के लिए पढ़े-लिखे युवाओं को राजनीति में आना ही होगा। भारत का भविष्य भी उज्जवल होगा। हालांकि जिन युवा राजनेताओं का ऊपर जिक्र किया गया है, उन्हें राजनीति में बड़ा स्थान या पद परिवारवाद के कारण भी मिला है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि इन राजनेताओं ने युवा वर्ग को राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया है। मैं अनुभव को दरकिनार नहीं करता परन्तु यदि युवा वर्ग को आगे आने का अवसर नहीं मिलेगा तो कैसे वह अनुभव प्राप्त करेगा आप युवाओं की दस खामियां तो गिनाते हैं। परन्तु आज के तथाकथित अनुभवी राजनीतिज्ञों की कारगुजारियों पर क्यूँ चुप हो जाते हैं? हम सिर्फ यही कह कर चर्चाओं में शामिल होते रहेंगे कि इस देश का कुछ नहीं हो सकता परन्तु अब और नहीं सहेंगे हम युवाओं को चर्चाओं के मंच से बाहर निकल कर वास्तविकता की कसौटी पर स्वयं को साबित करना ही होगा और अपने हक को उनसे प्राप्त करना ही होगा। देश को सामरिक दृष्टि से सुरक्षित तथा देश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा प्रदान करने के सन्दर्भ में सैन्य क्षमता एवं पुलिस प्रशासन कि बात आती है तो उसमे तो युवाओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि इस क्षेत्र में जितना अधिक युवाओं को प्रतिनिधित्व मिलेगा वह देश उतना ही अधिक सुरक्षित रहेगा । कुछ लोग राष्ट्र निर्माण मात्र और मात्र राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जोड़कर देखते हैं, परन्तु राष्ट्र निर्माण मात्र राजनीति से ही नही होता .राष्ट्र निर्माण होता है राष्ट्रवासी से यदि देश में निवास करने वाला प्रत्येक राष्ट्रवासी यह ठान लें कि हमें अन्याय नहीं सहना है अन्याय नहीं करना है तो राष्ट्र निर्माण की वह बुनियाद पड़ेगी कि युगों के बीतने पर भी राष्ट्र की ईमारत बुलंद रहेगी। इसके बाद देश और समाज का हित होना तय हो सकता है।

## सीमा सील होने से बाजार में आई गिरावट

ठूठीबारी-महराजगंज। कोरोना की बढ़ती महामारी को लेकर सीमा सील होने से इसका काफी व्यापारियों व मजदूरों पर काफी नजर आ रही है। जो बाजार की रौनक काफी सुनी कर रखा है जिसमें व्यापारियों की बढ़ती परेशानी से लोगो मे उबाल है। जो एक समय ऐसे थे कि भारी संख्या में लोग भारत नेपाल सिमा से गुजरते थे। अब कोरोना संक्रमण ने आज सभी की राहों को बंद कर बाजार सुनी कर दिया। जो दुकानदार व्यापारियो की काफी सेल पर असर दिखने को मिला जो दुकानदारों के लिए काफी मुश्किल खड़ा कर दिया है। जो कि बाजार में चर्चा का विषय बना हुआ है कि सीमा सील होने से व्यापारियों पर काफी दिक्कत पैदा कर रखा है। जो कि काफी दिनों से चल रही सीमा सील होने से बाजारों की रौनक को छीन रखा है जो कि बाजार में सेल की गिरावट होने से व्यापारियों में चर्चा का विषय बना रखा है। जो कोरोना संक्रमण ने बाजारो की राहे काफी सुनी कर दी।

## जिलें में प्रथम आगमन पर आत्रेय मिश्र का किया गया जोरदार स्वागत

**महराजगंज।** उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के फरेन्दा तहसील क्षेत्र के कम्हरिया बुजुर्ग निवासी आत्रेय मिश्र ने उत्तर प्रदेश पीसीएस में 24 वां रैंक लाकर एसडीएम पद पर चयनित हुए वही मिश्र के जिले में प्रथम आगमन पर कोल्हुई कस्बे मे परिजनों द्वारा और क्षेत्रवासियो द्वारा मिठाई खिलाकर और माला पहना कर जोरदार तरीके से स्वागत किया गया।
और परिजनों मे व क्षेत्रवासियो मे काफी खुशी देखने को मिली वही मिश्र ने बताया की मेरे सफलता का श्रेय मेरे परिजनों गुरूजनों और शुभचिंतको का जाता है। इस मौके जिला पंचायत सदस्य दीपक पाण्डेय अनिल मिश्रा, विजय कुमार मिश्र पंकज वर्मा, अलोक उपाध्याय, शैलेन्द्र यादव, विकास उपाध्याय, प्रभाकर द्विवेदी,रामकिशुन, बबलू चौबे, मनोज सिंह, जितेन्द्र राय, कल्लू यादव, अभिषेक चौबे, इन्द्रदेव कुमार, सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

## वीडियो ने लगाया निर्माण कार्य पर रोक

**महराजगंज।** परतावल विकास खण्ड के ग्राम पंचायत सिरसिया उर्फ मलमलिया में खड़जा उजाड़कर हो रहे इण्टरलाकिंग निर्माण पर वीडीओ ने रोक लगा दी है। ग्राम प्रधान द्वारा निर्धारित मानक को ताक पर रखकर निर्माण कार्य कराया जा रहा था। ग्रामीणों ने बीडीओ से शिकायत कर आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान द्वारा खड़ंजा उजाड़कर इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य कराया जा रहा है तथा ईंट के नीचे गिट्टी भी नहीं डाला गया है। इससे इण्टरलाकिंग ईंट थोड़े ही दिनों में ही धस जाएगा।शिकायत के बाद वीडीओ ने अवर अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग अरशद सिद्दीकी को जांच सौंपा।
अवर अभियंता ने बताया कि मौके पर जाकर जांच किया गया जिसमें शिकायत सही पाई गई। इण्टरलाकिंग ईंट के नीचे से खड़ंजा उजाड़कर कार्य कराया जा रहा था जो मानक के विपरित है। जांच रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी के समक्ष प्रेषित कर दिया गया है। ग्राम पंचायत सचिव प्रियंका दूबे ने बताया कि इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य की स्वीकृति नहीं दी गई थी। ग्राम प्रधान अपनी मनमानी से काम करवा रहे थे। वहीं इस संदर्भ में खण्ड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार शुक्ल ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान को चेतावनी दी गई है कि इण्टरलाकिंग ईंट निकलवाकर पहले खड़ंजा बिछाएं उसके बाद गिट्टी डालकर इण्टरलाकिंग ईंट बिछाएं। जब मानक के अनुसार कार्य पूर्ण नहीं होगा तब तक उक्त कार्य का भुगतान नहीं किया जाएगा।

# नौतनवां पुलिस नाबालिक लड़की को ढूंढ पाने में हुई फिसड्डी साबित

## नौतनवा पुलिस धन उगाही करने में मस्त नाबालिक लड़की का कोई पूछनहार नहीं

**महाराजगंज।** जिले के नौतनवां थाना क्षेत्र के निवासी राम प्रसाद अग्रहरी पुत्र स्वर्गीय बद्री प्रसाद अग्रहरी निवासी वार्ड नंबर 15 सरोजनी नगर ने दिनांक 11/09/2020 दिन शुक्रवार को नौतनवा थाने में लिखित तहरीर दिया था जिसमें उन्होंने व्यक्त किया था कि 11 सितंबर 2020 को सुबह तकरीबन 10-00 बजे के लगभग उनकी 17 वर्षीय नाबालिक पुत्री प्रीति अग्रहरी राम प्रसाद अग्रहरी के नाती करन के साथ बाजार गए हुए थे कुछ समय के बाद नाती वापस आ गया परंतु लड़की वापस नहीं आई। अपने नाती से पूछने पर करन ने बताया कि लड़की को राज शर्मा निवासी राहुल नगर नौतनवा ने अपने गाड़ी पर बैठकर कहीं ले कर चला गया। काफी देर हो जाने के बाद भी जब लड़की वापस नहीं आई तो घर वालों ने लड़के द्वारा नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में नौतनवा थाने पर लिखित तहरीर दी थी। उसके उपरांत आरोपी लड़के पर धारा 363, 366,पास्को एक्ट 16, 17 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। परंतु लड़की के भाई का आरोप है कि दिनांक 11 सितंबर 2020 से लेकर आज 13 सितंबर 2020 तक लगभग 3 दिन बीत चुके हैं परंतु आरोपी युवक के खिलाफ उसके किसी भी परिवार के व्यक्ति या उसके मित्रों तक से अभी तक कोई भी पूछताछ नहीं की गई है। अगर युवक के साथी या परिवार के व्यक्तियों से कड़ाई से पूछताछ की जाए तो हो सकता है बहला-फुसलाकर नाबालिक लड़की को भगाकर ले गए युवक का कुछ सुराग मिल सकता है और समय रहते लड़की भी मिल सकती है गायब बालिका के भाई को संदेह है कि अगर बालिका को ढूंढने में लापरवाही बरती गई और देर किया गया तो कहीं लड़की के साथ कुछ अनुचित दुर्घटना ना हो जाए।

## अवैध बालू खनन को लेकर ग्रामीणों ने किया एसडीएम से शिकायत

**महराजगंज।** परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्रामपंचायत महदेईया टोला बकुलादह निवासी बीरबहादुर पुत्र रामलखन ने अवैध बालू खनन को लेकर एसडीएम नौतनवा को एक नामजद लिखित शिकायती पत्र सौपा है। एसडीएम को दिये गए पत्र में बीरबहादुर ने लिखा है की हमारे टोले से सटे रोहिन नदी स्थित है। जिसमे हर साल बरसात मे बाढ आने से बहुत ही तेजी से गांव की तरफ कटान होता रहता है। उसी नदी मे हमारा और हमारे सभी पट्टिदारो का कुछ हिस्सा खेत नदी मे कटकर विलिन हो गया है। नदी मे पानी कम होते ही बालू माफिया बालू निकालना शुरु कर देते है और मना करने पर सभी लोग लाठी डंडा राड और बेल्चा लेकर मारने भी दौडते है। समय रहते अगर बालू खनन पर अंकुश नही लगाया गया तो हम सभी लोगों का घर बहुत जल्द नदी मे विलिन हो जायेगा।

## कोरोना के डर से भटक रहे हैं सांस के रोगी, डॉक्टर के अनुसार जरा सी लापरवाही से जा सकती है जान

गोरखपुर/कोरोना संक्रमण महामारी के फेर में सांस की विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे लोग परेशान हो रहे हैं। अस्पताल उन्हें कोरोना की जांच के लिए कह रहे हैं। जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बावजूद कई मामलों में निजी अस्पताल कोरोना के शक में मरीजों को भर्ती करने से बच रहे हैं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के चेस्ट विभागाध्यक्ष डॉ. अश्वनी मिश्रा ने बताया कि अगर किसी को पहले से सांस लेने में तकलीफ है और उसका ऑक्सीजन का लेवल अचानक गिरने लगता है, तो ब्रोंकाइटिस जैसी समस्या भी हो सकती है। अस्थमा के मरीजों को भी सांस लेने में परेशानी हो सकती है। हालांकि अस्थमा के मरीजों का ऑक्सीजन लेवल 92 से कम नहीं होता है। बताया कि इस तरह के कई मरीज अब तक आए हैं, जिनको सांस संबंधी समस्या थी, लेकिन कोरोना नहीं था।10 नंबर बोरिंग के रमेश पांडेय को सांस लेने में तकलीफ थी। ऑक्सीजन लेवल लगातार ऊपर-नीचे हो रहा था। चेस्ट का सीटी स्कैन कराया और एक निजी अस्पताल में रिपोर्ट दिखाई, तो डॉक्टर ने कोरोना के लक्षण बताएं। कोरोना जांच कराई तो रिपोर्ट निगेटिव आई। निगेटिव रिपोर्ट के बावजूद निजी अस्पताल उन्हें भर्ती करने में आनाकानी करते रहे। कई अस्पतालों की ना के बाद मजबूरी में परिजन लखनऊ लेकर गए। यहां भी दो बार कोरोना की जांच हुई, दोनों बार रिपोर्ट निगेटिव आई। डॉक्टरों ने बताया कि ब्रोंकाइटिस की समस्या है।

**शंका समाधान में तीन बार कराई कोरोना जांच, अस्थमा निकला**

गोरखनाथ के रहने वाले राजीव श्रीवास्तव को अचानक सांस लेने में परेशानी हुई। जिला अस्पताल पहुंचे, तो डॉक्टर ने कोरोना जांच कराने की सलाह दी। टूनेट और आरटीपीसीआर दोनों जांच में रिपोर्ट निगेटिव आई। बीआरडी में भी जांच कराने पर रिपोर्ट निगेटिव आई। चेस्ट सीटी स्कैन में अस्थमा की तस्दीक हुई। इसके बाद बीआरडी में इलाज शुरू हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि लक्षण कोविड के थे, लेकिन जांच में इसकी पुष्टि नहीं हुई।

**चेस्ट का सिटी स्कैन जरूरी**

डॉ अश्वनी मिश्रा ने बताया कि सांस के मरीजों को सलाह दी जा रही है कि एक बार चेस्ट का सिटी स्कैन जरूर करा लें। इससे कोविड का पता आसानी से चल जाता है। फेफड़े में ग्राउंड ग्लासिंग (सफेद निमोनिया के पैच) इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि कोविड का संक्रमण है।

**लापरवाही न करें, कोविड के तहत ही कराएं इलाज**

डॉ. अश्वनी मिश्रा ने बताया कि सांस के मरीजों को अतरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। जरा सी लापरवाही से मरीजों की जान जा सकती है। सबसे अधिक खतरा शुगर और बीपी के मरीजों को है।

# गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 275 करोड़ जारी

## जमीन के लिए किसानों को होगा भुगतान

**गोरखपुर/**गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए यूपीडा ने गोरखपुर, अम्बेडकर नगर और आजमगढ़ जिले को 274.88 करोड़ की कुल धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। इस धनराशि में गोरखपुर के लिए 70 करोड़, अम्बेडकरनगर के लिए 152.88 करोड़ एवं आजमगढ़ के लिए 52 करोड़ शामिल हैं। इसके साथ ही इन सभी जिलों में किसानों से एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई किसानों की जमीन का भुगतान एक माह में करने का निर्देश दिया गया है। यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी ने इस धनराशि को गोरखपुर, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ के जिलाधिकारियों को सौंपते हुए निर्देशित किया है कि एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए इन जिलों के किसानों से ली गई जमीन का भुगतान एक माह के भीतर करना सुनिश्चित करें। ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य में भी कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। परियोजना को क्रियान्वयन के लिए दो पैकेजों में बांटा है। पैकेज एक का निर्माण 10 फरवरी 2020 से एवं पैकेज-2 का निर्माण कार्य 19 जून 2020 से प्रारम्भ है। 10 सितंबर तक 67.97 प्रतिशत क्लीयरिंग एण्ड ग्रबिंग एवं 13.22 प्रतिशत मिट्टी का काम पूरा हो चुका है। यह एक्सप्रेस-वे जनपद गोरखपुर में गोरखपुर बाईपास एनएच-27 ग्राम जैतपुर के पास से प्रारम्भ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जनपद आजमगढ़ में समाप्त होगा। एक्सप्रेस-वे की लम्बाई 91.352 किमी है। इस एक्सप्रेस-वे से जनपद गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ लाभान्वित होंगे। यह एक्सप्रेस-वे चार लेन चौड़ा (छह लेन तक विस्तारणीय) और संरचनाएं छह लेन चौड़ाई की बनाई जाएंगी। इस लिंक मार्ग से गोरखपुर क्षेत्र भी प्रदेश की राजधानी लखनऊ से सीधे जुड़ जाएगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों, भंडार ग्रह, कृषि मण्डी, दुग्ध आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए एक उत्प्रेरक का काम करेगा। इस एक्सप्रेस-वे पर दो टोल प्लाजा, तीन रैम्प प्लाजा, सात फ्लाईओवर, 16 व्हेकुलर अण्डरपास, 50 लाइट व्हेकुलर अण्डरपास, 35 पेडेस्ट्रियन अण्डरपास, 7 दीर्घ सेतु एवं 27 लघु सेतु और 389 पुलिया का निर्माण किया जा रहा है।

## चिलुआताल में तैरता मिला अज्ञात शव बरामद

**गोरखपुर/गुलरिहा थाना क्षेत्र के सरहरी पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम सभा मंगलपुर के टोला जगदीशपुर उत्तरी के पूरब जम्मूहानि की झाड़ी में फसा शव देख ग्रामीणो ने इसकी सूचना सरहरी पुलिस चौकी को दी। सूचना पर पहुचे चौकी प्रभारी धनज्जय राय खुद तैर कर झाड़ी में फसे शव को बाहर निकाला शव 3 से 4 दिन पुराना दिख रहा है। प्रत्यक्ष दर्शियो के अनुसार शव शुबह स्थानिय थाना क्षेत्र के बासस्थान पुल के पास देखा गया था ।जो बहता हुआ जा रहा था। शाम लगभग5 बजे के करीब जगदीशपुर उत्तरी टोले के पूरब ताल में उगे जामुन के झाड़ में फस गया जिसकी सूचना ग्रामीणो ने सरहरी पुलिस चौकी को दी सरहरी पुलिस शव को बाहर निकाल कर कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। देखने से मृतक की उम्र लगभग 60, वर्षीय रंग सावला सफेद मठमैला हाफ सर्ट स्लेटी कलर का फुल पैण्ट लास तीन से चार दिन पुरानी दिख रही है।**

# राफेल: एक नजर इधर भी

भारत चीन के बीच चल रही जबरदस्त तना तनी के बीच फ्रांस निर्मित बहुचर्चित एवं विवादित युद्धक विमान राफेल गत 10 सितम्बर को औपचारिक रूप से भारतीय वायुसेना में शामिल कर लिया गया। इस अवसर पर अम्बाला छावनी स्थित वायुसेना स्टेशन पर एक समारोह आयोजित हुआ जिसमें भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,उनकी फ्रांसीसी समकक्ष फ्लोरेंस पार्ले व सेना व वायुसेना के सर्वोच्च अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले जब राफेल ने 29 जुलाई 20 को भारत की धरती पर अंबाला एयर फोर्स स्टेशन के रनवे पर अपनी सबसे पहली लैंडिंग की थी उस समय भी इन युद्धक विमानों का जोरदार स्वागत किया गया था। राफेल को 'वॉटर सेल्यूट' देते हुए दोनों ओर से फायर ब्रिगेड के स्प्रे के बीच से निकाला गया था। पूजा पाठ व राफेल को बुरी नजर से बचाने का सिलसिला तो फ्रांस से लेकर अंबाला तक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में बल्कि उन्हीं के श्पावनश् हाथों से होता आया है। नींबू-मिर्च व नजर उतारने के सभी श्उपायश् भी किये जा चुके हैं। रक्षा मंत्री ने हैप्पी लैंडिंग इन अंबाला का सन्देश देकर राफेल का स्वागत किया था। गौरतलब है कि मोदी सरकार द्वारा फ्रॉंस सरकार के साथ 36 राफेल विमानों की खरीद का सौदा लगभग 59,000 करोड़ रुपये में किया गया है। इन्हीं 36 राफेल फाइटर विमानों में से मात्र 5 विमानों का पहला बैच फ्रॉंस के मेरिनेक एयरबेस से उड़कर संयुक्त अरब अमीरात होता हुआ अंबाला पहुंचा है और उन्हीं 5 विमानों की शान में 29 जुलाई से लेकर 10 सितंबर तक के यह सभी समारोह आयोजित होते रहे हैं। खबर है कि दिसंबर 2021 तक संभवतः सभी 36 राफेल विमान भारत पहुँच जाएंगे। 29 जुलाई को जिस दिन 5 राफेल की आमद हो रही थी उस दिन का मीडिया कवरेज तथा अम्बाला वायुसेना स्टेशन के आस पास के सुरक्षा प्रबंध देखने लायक थे। अम्बाला वायु सेना क्षेत्र में प्रवेश निषेध होने के बावजूद मीडिया बता व दिखा रहा था कि किस समय 5 राफेल की टुकड़ी ने भारतीय आकाश में प्रवेश किया और आकाश में ही भारतीय वायु सेना के दो सुखोई फाइटर विमानों ने उनकी अगवानी की। अरब सागर में तैनात भारतीय नव सेना के युद्ध पोत आई एन एस कोलकाता द्वारा भी भारतीय जल क्षेत्र में प्रवेश करने पर राफेल का स्वागत किया गया। 29 जुलाई को मीडिया के लगातार प्रसारण ने विशेषकर अंबाला में कुछ ऐसा माहौल बना दिया था कि हजारों लोग तेज धूप के बावजूद अपनी अपनी छतों पर खड़े होकर वायु सेना के इस नए मेहमान के दर्शन करने को बेचौन दिखाई दिए। कुछ स्थानीय अखबारों ने उस दिन श् अम्बाला में आज दीवालीश् जैसे शीर्षक लगाकर राफेल के आने की खबर प्रकाशित की थी। 29 जुलाई को राफेल की सुरक्षा के दृष्टिगत अंबाला जिला प्रशासन द्वारा एयर फोर्स स्टेशन के तीन किलोमीटर परिक्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। प्रशासन हाई एलर्ट पर था तथा राफेल लैंडिंग के दौरान छतों से फोटोग्राफी करना व लोगों का जमावड़ा लगाना पूरी तरह से प्रतिबंधित था । पक्षी उड़ाने व पतंगबाजी करने तक पर रोक थी। जाहिर है यह सभी एहतियाती उपाय इसीलिये किये जा रहे थे ताकि बेशकीमती राफेल की सुरक्षा में कोई चूक या कमी न रह जाने पाए। राफेल के भारतीय वायुसेना में शामिल होने से पूर्व भी अंबाला वायु सेना स्टेशन मिग-21 व जगुआर जैसे युद्धक विमानों का केंद्र रहा है। देश के पश्चिम क्षेत्र की महत्वपूर्ण निगरानी केंद्र होने के कारण यहाँ दशकों से मिग-21 व जगुआर प्रायः अपनी नियमित उड़ानें भरते रहते हैं। कम से कम ऊंचाई पर भी उड़ने की क्षमता रखने वाले इन विमानों की सुरक्षित उड़ान के मद्देनजर ही इस हवाई क्षेत्र के आसपास के इलाके में तीन मंजिला इमारत बनाए जाने पर कानूनन रोक है। परन्तु इसी शहर में मोबाईल टावर्स की भरमार जरूर है। राफेल की भारी कीमत और चीन से चल रहे वर्तमान तनावपूर्ण हालात को देखते हुए न केवल समस्त भारतवासियों बल्कि सभी सरकारी व गैर सरकारी विभाग के लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे राफेल की सुरक्षा सुनिश्चित करें और इस दिशा में अपना हर संभव योगदान भी दें। पिछले दिनों मैंने रात के समय अम्बाला के आस पास विशेषकर शहरी क्षेत्र का भ्रमण इसी मकसद से किया ताकि देख सकूं कि राफेल की आमद पर जश्न मनाने वाला देश आखिर राफेल की सुरक्षा के प्रति कितना गंभीर है। मैंने पाया कि 50 फुट से लेकर 200 फुट तक की ऊंचाई वाले अधिकांश मोबाईल टावर्स के शीर्ष का संकेत देने वाली लाल लाईट बुझी हुई हैं। इतना ही नहीं बल्कि बी एस एन एल व रेलवे जैसे माइक्रोवेव टावर्स जो कि लगभग 350 से लेकर 500 फुट तक की ऊंचाई रखते हैं उनमें भी कई टावर्स के शीर्ष पर आवश्यक रूप से जलने वाली संकेत रुपी लाल बत्ती बुझी हुई थी। मिग हो या जगुआर या अब भारतीय वायु सेना में नया शामिल हुआ रफेल,जरुरत पड़ने पर या अपनी नियमित उड़ान के समय भी कभी कभी बेहद कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। राफेल की सुरक्षा के प्रति वायुसेना के अधिकारियों की भी चिंता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गत 10 सितंबर को राफेल के औपचारिक रूप से वायुसेना के बड़े में विधिवत शामिल होने से पूर्व ही भारतीय वायु सेना के निरीक्षण और सुरक्षा महानिदेशक, एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह ने, हरियाणा की मुख्य सचिव, केशनी आनंद अरोड़ा को एक आधिकारिक पत्र लिखकर अंबाला एयर फोर्स स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में कचरा निपटाने के लिए त्वरित उपाय करने का अनुरोध किया है। ऐसा पत्र कचरे के चलते पक्षी इकट्ठा होने व इनके उड़ने के कारण राफेल लड़ाकू विमान की सुरक्षा को होने वाले संभावित खतरे के दृष्टिगत लिखा गया है। गौरतलब है कि अंबाला वायुसेना क्षेत्र में पक्षियों की संख्या अधिक होने कारण टकराव होने से इन बेशकीमती विमानों को बहुत गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। वायु सेना ने स्थानीय शहरी निकाय विभाग से भी मांग की है कि कम से कम अम्बाला एयरफील्ड के आसपास 10 किलोमीटर की परिधि में पतंगों व बड़े पक्षियों की गति विधि को कम करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना को तत्काल कार्यान्वित किया जाए। वायु क्षेत्र से उपयुक्त दूरी पर उपयुक्त सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट संबंधी प्लांट तत्काल स्थापित किया जाए। इतना ही नहीं बल्कि वायुसेना द्वारा अंबाला वायु सेना स्टेशन के आसपास कबूतर प्रजनन गतिविधि को निषिद्ध व नियंत्रित करने के लिए भी प्रशासन से कहा गया है। जाहिर है कि राफेल के शुभागमन मात्र से ही राफेल की जरुरत नहीं पूरी होने वाली बल्कि इसके रखरखाव की सबसे अहम जरुरत अर्थात इसकी पूर्ण सुरक्षा तथा इसके लिए निर्बाध हवाई रास्ता उपलब्ध कराना भी उतना ही जरूरी है। लिहाजा केंद्र व राज्य सरकारों को आपसी ताल मेल से यथाशीघ्र इसकी सुरक्षा संबंधी सभी उपाय करने चाहिए। सभी ऊँचे टावर्स की लाल बत्ती रात के समय तत्काल जलनी चाहिए और हवाई क्षेत्र के आसपास से कूड़े के निपटान का काम व सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना की स्थापना आदि जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए।

# सम्पादकीय

## कामयाबी की रफ्तार

यह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ही नहीं, पूरे देश के लिये बड़ी कामयाबी है कि हमने एचएसटीडीवी का सफल परीक्षण कर लिया है। सोमवार को ओडिशा के बालासोर स्थित एपीजे अब्दुल कलाम परीक्षण रेंज में सफलतापूर्वक इसका परीक्षण किया गया। अब भारत अमेरिका, रूस व चीन के बाद यह कामयाबी हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। महत्वपूर्ण बात यह भी कि बीते साल की विफलता को पीछे छोड़ भारत ने देश में विकसित तकनीक से यह कामयाबी हासिल की है। इस तकनीक के जरिये ध्वनि से छह गुना अधिक गति वाली क्रूज मिसाइलों से लक्ष्य को भेदा जा सकता है। निस्संदेह भारत की सीमाओं के आसपास जिस तरह की परिस्थितियां विकसित हो रही हैं, उसका मुकाबला उन्नत रक्षा तकनीकों के जरिये संभव है, जिसमें अगली पीढ़ी की लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों में इस तकनीक को इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरी ओर आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में भी यह एक कामयाबी है क्योंकि इसे विशुद्ध स्वदेशी तकनीक से निर्मित किया गया है। आने वाले दिनों में इस तकनीक के उन्नत स्वरूप के जरिये कम लागत वाले उपग्रहों के प्रक्षेपण में मदद मिल सकेगी। दरअसल, चीन की दबंगई और पाक के मंसूबों के बीच भारत क्रूज एवं बैलिस्टिक मिसाइलों को प्राथमिकता के आधार पर विकसित कर रहा है, जिसमें रूस से हासिल ब्रह्मोस, पृथ्वी, अग्नि और टैंकरोधी मिसाइलें भी शामिल हैं। याद रहे कि बीते साल मार्च में भारत ने अंतरिक्ष में लक्ष्य भेदकर अंतरिक्ष-रोधी मिसाइल का परीक्षण करके दुनिया को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया था। निस्संदेह भारत शक्ति संतुलन के लिये अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों को विकसित कर रहा है। लेकिन संदेश यह भी है कि यदि देश के सामने विकट परिस्थितियां पैदा हुईं तो देश उसका मुकाबला भी कर सकता है।आज भारत ध्वनि की रफ्तार से छह गुनी तीव्रता से मिसाइल व यान प्रक्षेपण की क्षमता प्राप्त कर चुका है। डीआरडीओ द्वारा तैयार किये गये हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल के सफल परीक्षण के बाद उम्मीद जगी है कि भारत शीघ्र ही एक शक्तिशाली स्क्रैमजेट इंजन के जरिये हाइपरसोनिक क्षमता हासिल कर लेगा जो विमानन और अंतरिक्ष अभियानों में तेज रफ्तार हासिल करने में मददगार साबित होगा। हालांकि, फिलहाल यह तकनीक मानव रहित तीव्र गति वाले विमानों में उपयोग करने वाली होगी, मगर आशा है कि भविष्य में भारत इनसान वाले हाइपरसोनिक यान तैयार कर सकेगा। निस्संदेह यह स्वदेशी तकनीक कम खर्चीली है और निकट भविष्य में कम लागत में उपग्रहों के प्रक्षेपणों में मददगार साबित होगी। दरअसल, यह तकनीक वायुमंडल क्षेत्र में अलग तरह से काम करती है, जिसका इस्तेमाल मिसाइल प्रक्षेपण में किया जाता है। वहीं अंतरिक्ष अभियानों के लिये उन्नत तकनीक की जरूरत होती है, जिसमें रूस एवं चीन ने कामयाबी हासिल की है। बहरहाल, भारतीय वैज्ञानिकों की कामयाबी देश के रक्षा तंत्र को मजबूती देगी। हाइपरसोनिक स्पीड के जरिये मिसाइलें दुश्मन के लक्ष्य को ज्यादा तेजी से भेद पाती हैं क्योंकि वे ध्वनि की गति से छह गुना अधिक रफ्तार से लक्ष्य पर वार करती हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि उन्नत रक्षा तकनीकों के दौर में युद्ध परंपरागत तकनीक के बूते नहीं लड़ा जा सकता।

## उम्मीदों की रूसी वैक्सीन

ऐसे वक्त में सरकार की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है जब देश में कोरोना संकट की स्थिति विकट होती जा रही है। सोमवार को जारी आंकड़ों में नब्बे हजार से अधिक लोगों के संक्रमित होने और मृतकों की संख्या एक हजार से अधिक होने की बात सामने आई। भारत में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 42 लाख पार कर गया है और इस तरह भारत संक्रमितों के लिहाज से दुनिया में दूसरे नंबर पर आ गया है। कुल मृतकों का आंकड़ा भी 71 हजार पार कर कर चुका है। ऐसी स्थिति में वैक्सीन को लेकर चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। दुनियाभर के वैज्ञानिक वैक्सीन तैयार करने में जुटे हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन की पहले दो चरणों की कामयाबी ने इस स्पर्धा को बढ़ाया है। भारत में पुणे का सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से मिलकर कोविशील्ड वैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल कर रहा है। ट्रायल पूरा होने तथा सत्यापन के बाद ब्रिटिश ड्रग कंपनी एस्ट्राजेनेका के साथ मिलकर सीरम इंस्टीट्यूट वैक्सीन का उत्पादन करेगा। इसके अलावा हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक की कोवक्सिन और अहमदाबाद की जाइडस कैडिला की जायकोव-डी वैक्सीन का भी दूसरे चरण का ट्रायल चल रहा है। लेकिन इस दौड़ में बाजी मारने वाली रूसी वैक्सीन स्पुतनिक-वी ने भारत समेत पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। दरअसल, इस अनजानी महामारी का अंतिम विकल्प वैक्सीन ही माना जा रहा है। भारत भी इस मुहिम में भागीदारी का इच्छुक है। अब भारत की मांग पर कोविड वैक्सीन स्पूतनिक-वी से जुड़ा व्यापक डेटा भारतीय अधिकारियों से साझा किया गया है, जिससे यह तय हो सके कि यह वैक्सीन कितनी असरदार और सुरक्षित होगी। भारत ने मास्को स्थित गेमालेया रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी से यह डाटा मांगा था। दरअसल, पहले और दूसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल में वैक्सीन के उत्साहवर्धक ढंग से इम्यूनिटी बढ़ाने के दावे किये गए। बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट में ट्रायल के डेटा छपने और सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद रूसी वैज्ञानिक उत्साहित हैं। दरअसल, तभी भारत रूसी वैक्सीन को लेकर गंभीरता दिखा रहा है। भारत चाहता है कि तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल देश में कराये जायें। लेकिन सवाल है कि क्या वाकई रूसी वैक्सीन भरोसेमंद है? रूसी वैज्ञानिक द्वारा पहली बार सार्वजनिक की गई रिपोर्ट में बेहतर इम्यून रेस्पॉन्स का दावा किया गया है। मेडिकल जर्नल दि लैंसेट ने पुष्टि की है कि ट्रायल में भाग लेने वाले लोगों में एंटीबॉडी विकसित हुई है तथा कोई बड़ा साइड इफेक्ट भी सामने नहीं आया है। दरअसल, वैक्सीन विकसित करने की पहली रूसी दावेदारी पर पश्चिमी देशों में सवाल उठे थे। कहा जा रहा था कि ट्रायल में भाग लेने वाला समूह बहुत छोटा था और रूस ने कोई डेटा भी सार्वजनिक नहीं किया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी किसी डेटा के न मिलने की बात कही थी। साथ ही जल्दबाजी में रूस सरकार द्वारा लाइसेंस देने की आलोचना की जा रही थी।

# भारत और जापान समझौता

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन यानी एससीओ के विदेश मंत्रियों की मास्को में आयोजित बैठक के दौरान भारत व चीन के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत मिले हैं। बृहस्पतिवार को दोनों विदेश मंत्रियों के बीच हुई तीन घंटे की बैठक में कुछ मुद्दों पर सहमति बनती नजर आई। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर व उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच हुई मुलाकात में स्पष्ट किया गया कि भारत एलएसी पर जारी तनाव को और नहीं बढ़ाना चाहता और चीन को लेकर भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि पड़ोसी देश होने के नाते कुछ मुद्दों पर मतभेद स्वाभाविक हैं लेकिन इसे असहमतियों के उचित संदर्भ में देखा जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर चीन की कथनी-करनी के पुराने अनुभवों से सबक लेकर भारत ने सुरक्षा व सामरिक रणनीतियों को नये सिरे से निर्धारित करना शुरू कर दिया है। बुधवार को हिंद महासागर में चीन की घेराबंदी करने के नजरिये से भारत व जापान के बीच हुए ऐतिहासिक रक्षा समझौते को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर मास्को में संपन्न एससीओ की बैठक के बाद चीनी विदेश मंत्रालय ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बयान के हवाले से कहा है कि भारत व चीन के रिश्ते मौजूदा वक्त में दोराहे पर खड़े हैं, जिन्हें सही दिशा में बढ़ाने की जरूरत है। यह भी कि ऐसी कोई चुनौती नहीं है, जिसका समाधान संभव नहीं है। वहीं बैठक के बाद जारी भारतीय विदेश मंत्रालय के बयान में भी कहा गया है कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों में एलएसी विवाद को लेकर सकारात्मक बातचीत हुई है। तय हुआ कि दोनों ही पक्ष इन नेताओं के बीच हुई सहमतियों से सलाह लेंगे और असहमतियों को तनाव में नहीं बदलने देंगे। मौजूदा स्थिति को दोनों पक्षों के हित में न मानते हुए सैन्य बातचीत को जारी रखने की बात हुई। सीमा पर उचित दूरी बनाने व तनाव कम करने के प्रयासों पर भी सहमति हुई।

साथ ही तनाव टालने के लिये मौजूदा समझौतों और प्रोटोकॉलों का पालन करने की बात कही गई। कुल मिलाकर दोनों देश इस बात को स्वीकारते हैं कि सीमा पर तनाव कम होना चाहिए, शांति बरकरार रहनी चाहिए तथा भरोसा बढ़ाने के लिये कदम उठाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीनी समकक्ष वेई फेंग से मुलाकात की थी और आगे विदेश मंत्रियों की बातचीत के लिये पृष्ठभूमि तैयार की गई थी। वहीं बृहस्पतिवार को दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत के अलावा एलएसी पर सैन्य बातचीत भी हुई। इससे पहले भी कोर कमांडर स्तर के कई दौर की बातचीत हो चुकी है। दरअसल, दोनों ही देश एक-दूसरे पर एलएसी का अतिक्रमण करने और उकसाने के आरोप लगाते रहे हैं। मंगलवार को जारी एक तस्वीर में सशस्त्र चीनी सैनिकों को एलएसी पर अतिक्रमण की कोशिश करते दिखाया गया था। बहरहाल चीनी कूटनीति और रणनीतियों की जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार अपनी सुरक्षा व क्षेत्रीय संप्रभुता को लेकर सतर्क है और हाल ही में जापान से हुआ रक्षा समझौता इसी रणनीति का विस्तार है। एलएसी पर जारी हालिया टकराव के बीच भारत ने हिंद महासागर में चीन की घेराबंदी तेज कर दी है। भारत व जापान के बीच बुधवार को हुए महत्वपूर्ण समझौते को इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है। इस समझौते के तहत दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच आपूर्ति व सेवाओं का आदान-प्रदान होगा। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के बीच ऐसा समझौता पहली बार हुआ है। उम्मीद है कि इससे भारत को हिंद महासागर में रणनीतिक बढ़त मिलेगी। समझौते के बाद जापानी सेनाएं अपने अड्डों के लिए जरूरी रक्षा सामग्री की आपूर्ति कर सकेंगी। इसके अलावा भारतीय सेनाओं के रक्षा सामान की सर्विसिंग भी उपलब्ध करायेंगी। ऐसी सुविधा भारतीय सैन्य अड्डों पर जापानी सेनाओं को भी मिलेगी। निस्संदेह युद्ध के दौरान यह समझौता बेहद उपयोगी साबित होगा, जो दोनों देशों के रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा।

# नफा नुकसान के बीच-पटरियों को अवैध झुग्गियों से मुक्ति

एक तरफ देश की रेलवे के निजीकरण की कवायद चल रही है दूसरी तरफ सुंप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की रेल पटरियों के किनारे बसी अवैध वस्तियों को हटाने का आदेश दिया है। अब प्रश्न यह उठता है कि केवल दिल्ली नही अपितु पूरे भारत में रेल पटरियों के किनारे रेलवे की जमीन पर अवैध झुग्गियों एवं अवैध निर्माणों की भरमार है। एक अनुमान के मुताबिक अगर दिल्ली में पचास हजार के लगभग तो अन्य राज्यों में भी इसी औसत से अवैध बस्तियों का निर्माण हो चुका है और चल रहा है। यही नही इन पटरियों के किनारे झुग्गियॉ ही नही बल्कि आलीशान भवन भी आपकों नजर आ जाएगे। गल्ती रेलवे ही नही करता बल्कि इस अवैध कब्जों को बिजली कनेक्शन और आधार, राशनकार्ड उपलब्ध हो जाता है तो लगता है कि सभी अवैध कब्जें को ऑख मूदकर वैध बना रहे है। लेकिन न्यायालय के आदेश के बाद रेलवे ट्रैक किनारे बसीं झुग्गियां हटाने को लेकर सियासत तेज हो गई है। सभी दलों के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। विपक्ष लगातार प्रदेश सरकार से झुग्गी वासियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की मांग कर रहा है। इसके अलावा विधानसभा के मानसून सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी में है। उधर, आप का कहना है कि किसी का घर उजड़ने नहीं देंगे। कांग्रेस अदालत से सड़क तक संघर्ष करने की बात कर रही है। इस सियासत में रेल प्रशासन भी उलझा हुआ है। रेलवे का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए ट्रैक किनारे बसीं झुग्गियां हटाई जाएंगी। लेकिन क्या इतने विरोध के बाद रेलवे को इन अवैध बस्तियों से आसानी से मुक्ति मिल पाएगी। अनुमान यह कि लगभग पॉच करोड़ की आबादी ने रेलवे की पटरियों के किनारे अवैध कब्जा कर रखा है। इसके चलते झुग्गियों में रहने वाले लोगों द्वारा रेलवे क्षेत्र में होने वाले अपराधों में आधी से अधिक भागीदारी भी सामने आ चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में दिल्ली में रेल पटरियों के किनारे बसी अवैध बस्तियों को हटाने का आदेश दिया है, किंतु यह समस्या केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। नगरों-महानगरों में रेल पथ के इर्दगिर्द अतिक्रमण आम है। इससे न केवल रेल यातायात बाधित होता है, यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है, वरन इन अवैध बस्तियों में हर तरह का अपराध भी फलता-फूलता है। वोट बैंक का आधार होने की वजह से इन पर कार्रवाई नहीं होती है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में रेलवे ट्रैक के आसपास बनी लगभग 48000 झुग्गियों को 3 महीने के भीतर हटाने का आदेश दिया है। अपने फैसले में कोर्ट यह भी कहा है कि झुग्गिया हटाने पर रोक नहीं लगाएगी और न ही इसमें किसी भी तरह का राजनैतिक व अन्य हस्तक्षेप होगा। इसी के साथ रेलवे ट्रैक के आसपास कचरा हटाने का भी आदेश दिया है। बता दें कि राजधानी दिल्ली में रेलवे पटरी के किनारे अतिक्रमण गंभीर समस्या है। अतिक्रमण कर बनी झुग्गियों से न सिर्फरेलवे की विकास योजनाएं बाधित हो रही है, बल्कि सुरक्षित रेल परिचालन में भी यह बड़ी समस्या है। इसके साथ ही यह यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरनाक है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण समस्या दूर नहीं हो पा रही है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अतिक्रमण हटने की उम्मीद बंधी है। अभी केवल दिल्ली की बॉत करे तो राजधानी दिल्ली के लगभग सभी इलाकों में रेलवे ट्रैक के किनारे झुग्गियों की संख्या बढ़ती जा रही है। दया बस्ती, आजादपुर, ओखला, तिलक ब्रिज, वजीरपुर, शकूरबस्ती, किशनगंज, सराय रोहिल्ला में स्थिति ज्यादा खराब है। रेलवे अधिकारी बताते हैं कि दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड (डीयूएसआइबी) के अनुसार रेलवे की 60 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर अवैध तरीके से लगभग 48 हजार झुग्गियां बनी हुई हैं, जिनमें से दस हजार से ज्यादा सेफ्टी जोन में (ट्रैक से 15 मीटर के अंदर) हैं। अतिक्रमण सीधे रेल परिचालन की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। झुग्गियों में रहने वाले पटरी पर शौच करते हैं। गंदगी की वजह से पटरियों व सिंग्नल के रखरखाव करने वालों को परेशानी होती है। कई बार गंदगी की वजह से मरम्मत कार्य भी ठीक से नहीं हो पाता है। लगातार मल-मूत्र त्याग किए जाने की वजह पटरी व उसके आसपास की मिट्टी का क्षरण होता है। यह सुरक्षित रेल परिचालन के लिए खतरनाक है।अतिक्रमण की वजह से निर्माण कार्य भी प्रभावित हो रहा है। रेलवे कर्मचारी व अधिकारियों के लिए कॉलोनी, रेलवे स्टेशनों का विकास, नई रेल लाइन बिछाने का काम भी प्रभावित हो रहा है। दया बस्ती व शकूर बस्ती में ग्रेड सेपरेटर का काम भी वर्षों से पूरा नहीं हो सका है। नई दिल्ली से तिलकब्रिज के बीच अतिरिक्त रेल लाइन बिछाने में भी अतिक्रमण की वजह से काफी वक्त लगा। दिल्ली में सड़कों पर वाहनों की भीड़ कम करने के लिए रिंग रेल का विकास किया जाना है। वर्ष 2016 में ही दिल्ली सरकार के आग्रह पर रेल मंत्रालय ने इसकी संभावना पर काम शुरू किया था, लेकिन पटरी किनारे अतिक्रमण इसमें सबसे बड़ी बाधा है। रिंग रेल पर ट्रेन की संख्या बढाने के लिए अतिरिक्त पटरी बिछानी होगी। अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण हटाए बगैर यह काम नहीं हो सकता है।नई दिल्ली सहित देश के अधिकाधिक रेलवे स्टेशनों के नजदीक अवैध झुग्गियां बनी हुई हैं। इन झुग्गियों में अपराधिक प्रवृत्ति के लोग भी अपना अड्डा बना लेते हैं। दूसरी ओर सेफ्टी जोन में भी अतिक्रमण होने की वजह से स्टेशन पर पहुंचने से पहले ट्रेनों को गति धीमी गरनी पड़ती है। वहीं, कई बार सिग्नल नहीं मिलने की वजह से ट्रेन आउटर पर खड़ी हो जाती है। इसका फायदा उठाकर अपराधी ट्रेन में सवार होकर लूटपाट, छेड़खानी जैसे करते हैं। दिल्ली में इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसके साथ ही झुग्गियों में रहने वाले अक्सर ट्रेन पर पथराव भी करते हैं। राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस व वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी कई ट्रेनों पर झुग्गियों से पथराव हो चुका है।रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाने में सबसे बड़ी बाधा सियासत है। अवैध झुग्गियों में रहने वालों के पास आधार कार्ड से लेकर मतदाता पहचान पत्र बने हुए हैं। इनके वोट के लालच में प्रत्येक पार्टी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई शुरू होते ही विरोध में खड़ा हो जाता है। चार वर्ष पहले शकूरबस्ती में अतिक्रमण हटाने को लेकर भी खूब सियासत हुई थी।कहा तो यहॉ तक जाता है कि कब्जे की शुरूआत से लेकर बस्तियां बन जाने तक रेलवे और आरपीएफ के अधिकारी आंख मूंदकर और मौन धारण कर बैठे रहे। हां, कागजों में जरूर कार्रवाई होती रही। अभियान के नाम पर केवल खानापूर्ति ही की। पटरियों के किनारे वर्तमान हालात रेलवे अधिकारियों की लापरवाही का उदाहरण हैं अगर समय रहते अफसर इस ओर कार्रवाई करते तो आज यहां झुग्गियां न होतीं। यह भी सच है कि झुग्गियों में रहने वालों लोगों को सुविधाएं कुछ कथित ठेकेदार उपलब्ध कराते हैं। यह ठेकेदार उनके द्वारा बीना गया पूरा कूड़ा खरीदते हैं। ठेकेदार की शह पर ही अन्य राज्य से आए लोग रेल पटरी के किनारे बस गए हैं। पटरी किनारे झुग्गियों में रहने के लिए ठेकेदारों को इसका किराया भी देते हैं। अब मध्यम प्रदेश की बॉत करे तो धमतरी द्य धमतरी रेलवे स्टेशन का दायरा अवैध कब्जे के कारण सिमटता जा रहा है। इस समस्या पर सख्ती दिखाते हुए अब रेलवे ने अपनी जमीन पर अनधिकृत रुप से काबिज लोगों को नोटिस जारी कर 4 दिनों के भीतर अवैध कब्जा हटाने कहा जा रहा है। मुम्बई की बॉत करे या फिर कानपुर, लखनऊ की बॉत करे या जबलपुर, पटना की बॉत करे या अजमेर,भोपाल, हिन्दुस्तान का कोई ऐसा बड़ा शहर नही जहॉ रेलवे की जमीन पर अवैध बस्तियों का निर्माण न हो। ऐसे में वोट बैंक राजनीति, जिम्मेदारों की अनदेखी, ठेकेदारों के गठजोड़ से रेलवे की पटरियॉ अवैध कब्जे से कहर रही है।

## सार समाचार .....

### फ्रांस के टेनिस प्लेयर बेनुआ पेर का टेस्ट पॉजिटिव

**नई दिल्ली** टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन आज से न्यूयॉर्क में शुरू होने जा रहा है, लेकिन उससे पहले ही टूर्नामेंट पर फिर कोरोना संकट मंडराने लगा। फ्रांस के स्टार प्लेयर बेनुआ पेर का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। वे टूर्नामेंट से हट गए हैं। यूएस ओपन में कोरोना का यह पहला मामला है। यह टूर्नामेंट कोरोना के कारण बायो-सिक्योर माहौल में बगैर दर्शकों के कराया जा रहा है। इससे पहले सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और दूसरे 19 ग्रैंड स्लैम चैम्पियन स्पेन के राफेल नडाल समेत कई दिग्गज टूर्नामेंट से नाम वापस ले चुके हैं। ऐसा 21 साल में पहली बार होगा, जब यह दोनों दिग्गज टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे।

**इसी महीने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन खेला था**

बेनुआ पेर को यूएस ओपन में 17वीं सीड मिली है। वे पिछले हफ्ते ही न्यूयॉर्क आए हैं। इससे पहले उन्होंने इसी महीने वॉशिंगटन में वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन खेला था। तबीयत खराब होने के बाद वे अपने देश लौट गए थे। इसके बाद फ्रांस स्पोर्ट्स वेबसाइट ने बताया कि उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। फिलहाल, वे सेल्फ आइसोलेशन में हैं।

### साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम होगा यूएस ओपन

यूएस ओपन इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम है, जो शुरू होने जा रहा है। इससे पहले जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन हो चुका है, जबकि विंबलडन दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद पहली बार रद्द हो चुका है। वहीं, 21 सितंबर से फ्रैंच ओपन खेला जाएगा।

वुमन्स और मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नहीं खेलेंगे

कोरोना के कारण मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नडाल और वुमन्स में कनाडा की बियांका एंड्रेस्कू टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। बियांका ने पिछली बार फाइनल में अमेरिका की सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीता था। वहीं, नडाल ने रूस के दानिल मेदवेदेव को हराकर चौथी बार खिताब जीता था।

### वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-8 की 6 महिला खिलाड़ी भी नहीं खेलेंगी

वहीं, वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-2 महिला खिलाड़ी पहले ही नाम वापस ले चुकी हैं। वर्ल्ड नंबर-1 एश्ले बार्टी, रोमानिया की वर्ल्ड नंबर-2 सिमोना हालेप, नंबर-5 एलिना स्वितोलिना, नंबर-6 बियांका एंड्रेस्कू, नंबर-7 किकि बेर्टेंस और नंबर-8 बेलिंडा बेंसिस।

### आईपीएल 2020 से पहले किंग्स इलेवन का यह खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में

दिल्ली × आईपीएल 2020 से पहले किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में हैं। निकोलस पूरन ने कैरेबियाई प्रीमियर लीग में अपने टी-20 करियर का पहला शतक जमाया है, जिससे गयाना अमेजॉन वारियर्स ने खराब शुरुआत से उबरकर टूर्नामेंट में सेंट कीट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को 21 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हराया। वॉरियर्स ने 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट 25 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद निकोलस पूरन ने 45 गेंदों पर चार चौकों और दस छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए. उन्होंने रोस टेलर (27 गेंदों पर नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 11.5 ओवर में 128 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे वॉरियर्स 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाने में सफल रहा। इससे पहले पैट्रियट्स से पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर जोशुआ डी सिल्वा के 59 रन और दिनेश रामदीन के नाबाद 37 रन की मदद से पांच विकेट पर 150 रन बनाए थे। वॉरियर्स की सात मैचों में यह तीसरी जीत है जबकि पैट्रियट्स को छठी हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में सेंट लूसिया जॉक्स ने अपने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करके बारबाडोस ट्रिडेंट्स को तीन रन से हराया। जॉक्स की यह सात मैचों में पांचवीं जीत है। बारबाडोस ने टॉस जीतकर सेंट लूसिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और उसकी टीम को 18 ओवर में 92 रन पर आउट कर दिया। सेंट लूसिया की तरफ से तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। बारबाडोस के लिए हेडन वाल्श ने तीन और रेमन रीफर ने दो विकेट लिए। बारबाडोस के सामने छोटा लक्ष्य था, लेकिन उसकी टीम सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स के 42 गेंदों पर 39 रन के बावजूद निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 89 रन ही बना पाई।

# पाकिस्तानी दिग्गज ने कहा- आलोचना के बजाय बाबर आजम को करना चाहिए प्रेरित

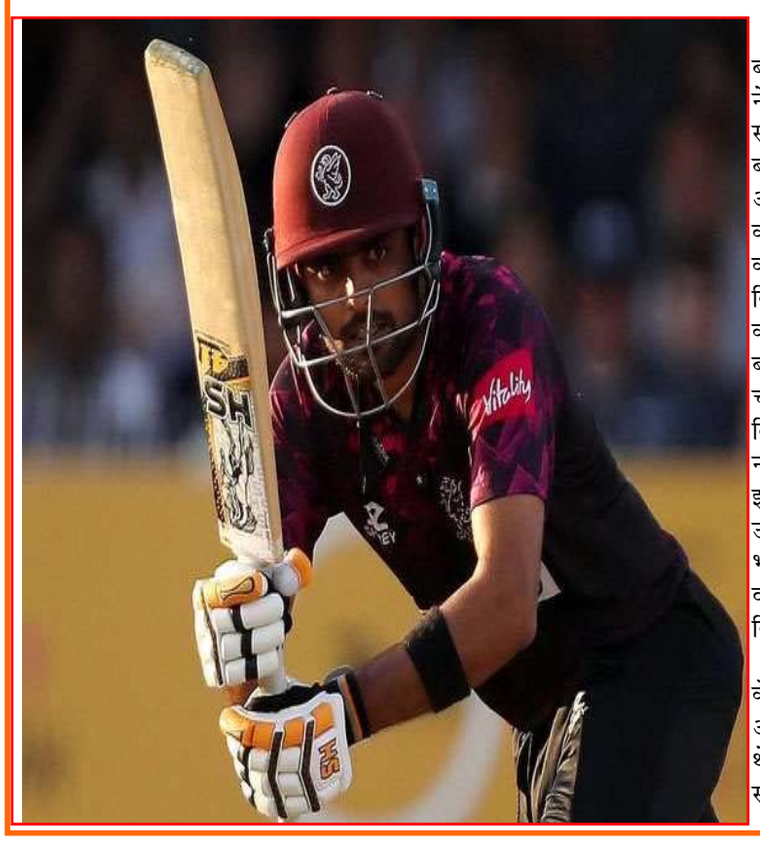

लाहौर। पाकिस्तान के बल्लेबाज कामरान अकमल ने पाकिस्तान टीम के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम की आलोचना करने वाले लोगों को आड़े हाथों लिया है। कामरान अकमल ने कहा है कि लोगों को बाबर आजम की आलोचना करने के बजाए उनको प्रेरित करना चाहिए। बाबर आजम के लिए हालिया फॉर्म अच्छी नहीं है। यहां तक कि टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी नंबर वन की कुर्सी भी छिन गई है, जिस पर वह लंबे समय से विराजमान थे।

गौरतलब है कि इंग्लैंड के हालिया दौरे पर बाबर आजम फॉर्म में नहीं दिखे थे और तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 69 रन ही बना सके थे। वहीं, दो टी20 मैचों में उन्होंने सिर्फ 56 रन ही बनाए थे। कामरान अकमल ने पाकिस्तान मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा है, ÷यह बुरी बात है कि लोग हमारे नंबर वन बल्लेबाज की आलोचना कर रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि बाबर आजम ज्यादा तेज गति से रन नहीं बना रहे हैं और मैच नहीं जिता रहे हैं। उन्होंने इस इंटरव्यू में आगे कहा है, ÷हमें क्या हो गया है? अगर हम सुधार करना चाहते हैं तो हमें उन्हें निराश करने के बजाय अपनी ऊर्जा उन्हें प्रेरित करने में लगानी चाहिए। मुझे एक बार फिर लगता है कि टीम प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टीम के सभी खिलाड़ियों का अच्छे से ध्यान रखा जाए और अपने चुनिंदा खिलाड़ियों पर ध्यान देने के बजाए सभी को देखा जाए और उन्हें आत्मविश्वास दिया जाए।

### श्रीसंत का बैन हुआ खत्म, 7 साल के बाद अब मैदान पर दिखेगा 37 साल का ये तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का 7 साल का बैन रविवार को खत्म हो गया। श्रीसंत पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप के मामले में लाइफ टाइम बैन लगाया गया था, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इसे घटाकर इसे 7 साल का कर दिया था। 37 साल के तेज गेंदबाज श्रीसंत ये साफ कर चुके हैं कि बैन के बाद वो घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे तो वहीं उनकी होम टीम केरल की तरफ से भी ये कहा जा चुका है कि अगर वो अपनी फिटनेस साबित कर देते हैं तो वो उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार करेंगे। वहीं बैन खत्म होने के बाद श्रीसंत ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। बैन खत्म होने से पहले यानी शुक्रवार को श्रीसंत ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि, मैं हर तरह के चार्ज से पूरी तरह से फ्री हो जाउंगा और उस खेल का प्रतिनिधित्व फिर से करूंगा जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करता हूं। मैं हर एक गेंद पर अपना बेस्ट देने की कोशिश करूंगा। उन्होंने आगे लिखा था कि मैं इस खेल को 5-7 साल और दे सकता हूं और जिस भी टीम की तरफ से खेलूंगा अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। आपको बता दें कि श्रीसंत पर 2013 आइपीएल सीजन के दौरान फिक्सिंग के आरोप लगे थे और उसके बाद उन पर लाइफ टाइम बैन लगाया गया था। साल 2013 में श्रीसंत के अलावा अजीत चंडीला और अंकित चौहान पर भी बैन लगाया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 मार्च को बीसीसीआइ की अनुशासन कमेटी के आदेश को रद कर दिया था और बोर्ड को सजा की अवधि कम करने पर विचार करने को कहा था। श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी 20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 87, वनडे में 75 जबकि टी20 क्रिकेट में 7 विकेट उनके नाम पर है। श्रीसंत एक आक्रामक तेज गेंदबाज के तौर पर जाने जाते हैं और उनके सेलीब्रेशन का अंदाज सबसे अलग था, लेकिन बैन के बाद इन सब पर ब्रेक लग गया था। श्रीसंत अब घरेलू क्रिकेट के जरिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं, लेकिन इस वक्त कोविड 19 महामारी की वजह से भारत का घरेलू क्रिकेट बंद है ऐसे में उन्हें वापसी के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है।

# एमएस धोनी को अपनी बेस्ट आईपीएल इलेवन में ब्रैड हॉग ने नहीं किया शामिल, विराट व रोहित को नहीं बनाया कप्तान

इंडियन प्रीमियर लीग के सफलतम कप्तानों में से एक नाम का भी है। उनकी अगुआई में सीएसके ने 8 फाइनल खेले हैं और तीन बार विजेता रही है। ये टीम हर बार प्लेऑफ में पहुंची है और धौनी इस टीम के लिए कितने अहम हैं ये सबको पता है, लेकिन ब्रैड हॉग की नजर में धौनी उनकी बेस्ट आइपीएल प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के लायक भी नहीं है। ब्रैड हॉग ने आइपीएल 2020 के लिए अपने फेवरेट प्लेइंग इलेवन का चयन किया और एम एस को अपनी टीम में जगह नहीं दी। आइपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स व राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हॉग ने अपनी प्लेइंग इलेवन का कप्तान केन विलियमसन को बनाया। केन विलियमसन ने पिछले दो सीजन में हैदराबाद टीम की कप्तानी की थी, लेकिन इस बार इस टीम की कमान डेविड वॉर्नर के हाथों में सौंप दी गई। हॉग ने अपनी टीम में ओपनर के तौर पर डेविड वार्नर को रोहित शर्मा के साथ चुना। ये दोनों बल्लेबाज अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए खूब जाने जाते हैं तो वहीं ब्रैड ने टीम में विराट कोहली को तीसरे स्थान के लिए चुना। विराट कोहली अपनी शानदार निरंतरता के लिए जाने जाते हैं। ब्रैड हॉग ने अपने प्लेइंग इलेवन में चौथे स्थान पर केन विलियमसन को रखा है और इन्हें टीम का कप्तान भी बनाया है। उन्होंने अपनी टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर ऋ को नहीं बल्कि ऋषभ पंत को शामिल किया। इसके बाद उन्होंने टीम में तीन ऑलराउंडर आंद्रे रसेल, रवींद्र जडेजा व सुनील नरेन को शामिल किया। ये तीनों गेंदबाजी के साथ-साथ बेहतरीन बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। वहीं विशुद्ध स्पिनर के तौर पर उन्होंने युजवेंद्रा चहल को टीम में शामिल किया। चहल के साथ-साथ स्पिन की जिम्मेदारी जडेजा व नरेन भी उनकी टीम में निभा सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने टीम में तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह व भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया है।

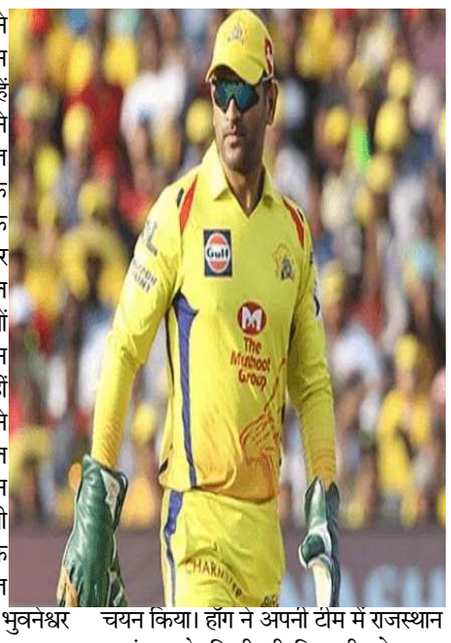

ब्रैड हॉग ने अपनी आइपीएल इलेवन में तीन खिलाड़ी सनराइजर्स हैदाराबाद से, दो-दो खिलाड़ी मुंबई इंडियंस, केकेआर व आरसीबी से, वहीं उन्होंने सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स से एक-एक खिलाड़ी का चयन किया। हॉग ने अपनी टीम में राजस्थान व पंजाब के किसी भी खिलाड़ी को जगह नहीं दी। डेविड वार्नर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केन विलियमसन (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), आंद्रे रसेल, रवींद्र जडेजा, सुनील नरेन, युजवेंद्रा चहल, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह।

# श्रीसंत का बैन हुआ खत्म, 7 साल के बाद अब मैदान पर दिखेगा 37 साल का ये तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का 7 साल का बैन रविवार को खत्म हो गया। श्रीसंत पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप के मामले में लाइफ टाइम बैन लगाया गया था, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इसे घटाकर इसे 7 साल का कर दिया था। 37 साल के तेज गेंदबाज श्रीसंत ये साफ कर चुके हैं कि बैन के बाद वो घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे तो वहीं उनकी होम टीम केरल की तरफ से भी ये कहा जा चुका है कि अगर वो अपनी फिटनेस साबित कर देते हैं तो वो उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार करेंगे। वहीं बैन खत्म होने के बाद श्रीसंत ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। बैन खत्म होने से पहले यानी शुक्रवार को श्रीसंत ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि, मैं हर तरह के चार्ज से पूरी तरह से फ्री हो जाउंगा और उस खेल का प्रतिनिधित्व फिर से करूंगा जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करता हूं। मैं हर एक गेंद पर अपना बेस्ट देने की कोशिश करूंगा। उन्होंने आगे लिखा था कि मैं इस खेल को 5-7 साल और दे सकता हूं और जिस भी टीम की तरफ से खेलूंगा अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। आपको बता दें कि श्रीसंत पर 2013 आइपीएल सीजन के दौरान फिक्सिंग के आरोप लगे थे और उसके बाद उन पर लाइफ टाइम बैन लगाया गया था। साल 2013 में श्रीसंत के अलावा अजीत चंडीला और अंकित चौहान पर भी बैन लगाया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 मार्च को बीसीसीआइ की अनुशासन कमेटी के आदेश को रद कर दिया था और बोर्ड को सजा की अवधि कम करने पर विचार करने को कहा था। श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी 20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 87, वनडे में 75 जबकि टी20 क्रिकेट में 7 विकेट उनके नाम पर है। श्रीसंत एक आक्रामक तेज गेंदबाज के तौर पर जाने जाते हैं और उनके सेलीब्रेशन का अंदाज सबसे अलग था, लेकिन बैन के बाद इन सब पर ब्रेक लग गया था। श्रीसंत अब घरेलू क्रिकेट के जरिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं, लेकिन इस वक्त कोविड 19 महामारी की वजह से भारत का घरेलू क्रिकेट बंद है ऐसे में उन्हें वापसी के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। वैसे ये भी देखना दिलचस्प होगा कि केरल की टीम में उन्हें मौका मिलता है या नहीं। हालांकि घरेलू सीजन की शुरुआत अगस्त से होनी थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और अब बोर्ड भी स्थिति के संभलने का इंतजार कर रही है। वैसे एक बात तो तय है कि क्रिकेट में वापसी के बाद श्रीसंत अपनी बिगड़ी छवि को सुधारने की पूरी कोशिश करेंगे।

# आईपीएल 2020 के सबसे महंगे 15 खिलाड़ी, इन भारतीय दिग्गजों को मिलेगी सबसे ज्यादा रकम

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (श्र) में इंडिया के त्योहार यानी इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के 2020 के सीजन की शुरुआत 19 सितंबर से होने जा रही है। ढ्ढक्क 2020 का खिताब जीतने के लिए लिए सभी टीमें जमकर प्रैक्टिस कर रही हैं। आइपीएल की 8 टीमें एक ट्रॉफी और 10 करोड़ रुपये की इनामी राशि के लिए एक-दूसरे से भिड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आइपीएल के इस सीजन में 15 ऐसे खिलाड़ी हैं, जो 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा की सैलरी लेने वाले हैं।दरअसल, आइपीएल 2020 के लिए रिटेन किए गए और ऑक्शन में बड़ी बोली हासिल करने वाले खिलाड़ियों को मिलाया जाए तो ऐसे 15 खिलाड़ी इस बार आइपीएल में उतरने वाले हैं, जो 10 करोड़ रुपये या फिर इससे ज्यादा की रकम इस सीजन के लिए पाने वाले हैं। हालांकि, ये लिस्ट 15 नहीं, बल्कि 16 खिलाड़ियों की थी, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सुरेश रैना भी शामिल थे। 11 करोड़ रुपये में ढ्ढक्क 2020 के लिए रिटेन किए गए सुरेश रैना ने टूर्नामेंट के इस सीजन में नहीं खेलना का

फैसला किया है।आइपीएल 2020 में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले 15 खिलाड़ियों में 7 खिलाड़ी भारत के हैं, जबकि 8 खिलाड़ी अन्य देशों के शामिल हैं। टॉप 15 में भारत के बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का नाम है, जिसके 4 खिलाड़ियों को 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के लिए मिलने वाली है। इस लिस्ट में दो खिलाड़ी साउथ अफ्रीका के हैं, जबकि एक-एक खिलाड़ी वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीम का शामिल है।ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और ग्लेन मैक्सवेल को आइपीएल 2020 के लिए 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम मिलेगी, जबकि साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स और क्रिस मॉरिस इस सीजन के लिए 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा सैलरी के तौर पर पाएंगे। वहीं, वेस्टइंडीज के सुनील नरेन भी 10 करोड़ रुपये से ज्यादा केकेआर से पाने वाले हैं। इसके अलावा बेन स्टोक्स भी मोटी रकम आइपीएल 2020 में पाने वाले हैं।भारतीय टीम की बात करें तो आइपीएल 2020 के लिए सबसे ज्यादा सैलरी पाने वालों की लिस्ट में विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धौनी, रिषभ पंत, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या और मनीष पांडे का नाम शामिल है। आरसीबी के कप्तान विराट कोहली सबसे ज्यादा सैलरी (17 करोड़ रुपये) 2020 के सीजन के लिए पाएंगे, जबकि इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर कंगारू गेंदबाज पैट कमिंस का नाम शामिल है, जिनको केकेआर ने साढ़े 15 करोड़ रुपये में खरीदा है।

### श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम का ऐलान, इन 27 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत बांग्लादेश और श्रीलंकाई टीम के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है, जिसकी शुरुआत अक्टूबर में होनी है। इसी टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश के 27 खिलाड़ी श्रीलंका के दौरे पर जाएंगे। हालांकि, बाद में इस टीम को छोटा कर दिया जाएगा। फिलहाल दोनों देशों के बीच क्वारंटाइन के समय को लेकर बातचीत चल रही है।बांग्लादेश टीम के मुख्य चयनकर्ता मिन्हाजुल अबेदिन ने एक क्रिकेट वेबसाइट से बात करते हुए कहा, ÷हां, महमदुल्लाह को 27 सदस्यीय संभावित दल में शामिल कर लिया है, जो सरकार की अनुमति मिलने के बाद श्रीलंकाई दौरे पर जाएगा।÷ उन्होंने कहा है, ÷यह सिर्फ एक प्रारंभिक टीम है और हम इन सभी खिलाड़ियों के लिए वीजा पर काम कर रहे हैं, लेकिन जब हम दौरे से पहले आवासीय कैंप के लिए होटल में पहुंचेंगे तो इसमें सिर्फ 20 क्रिकेटर शामिल होंगे।मुख्य चयनकर्ता ने कहा है, ÷हम सभी को प्रारंभिक टीम में रख रहे हैं, क्योंकि हमें कुछ खिलाड़ियों को स्टैंड-बाय पर रखना होगा। वर्तमान कोरोना स्थिति को देखते हुए स्टैंड-बाय बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए हमने सात खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर रखने का फैसला किया। हमने प्रारंभिक टीम में नौ तेज गेंदबाज चुने हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम सभी को फाइनल 20 में चुन लेंगे। हम 20 सदस्यीय टीम में 6 गेंदबाजों के साथ श्रीलंका का दौरा करेंगे। वहीं, श्रीलंका जाने के बाद 17 सदस्यीय टेस्ट टीम का चयन करेंगे और हम अन्य तीन क्रिकेटरों को ढाका वापस भेज देंगे।हालांकि, श्रीलंका का बांग्लादेश दौरा अभी भी संदिग्ध बना हुआ है, जिसे कोरोना वायरस महामारी के कारण पहले स्थगित कर दिया था। अभी भी आधिकारिक तौर पर सीरीज का शेड्यूल जारी नहीं किया है, जबकि बायो-सिक्योर बबल पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है। वर्तमान की बात करें तो बांग्लादेश को 27 सितंबर को श्रीलंका के दौरे पर जाना है, जहां कैंडी में 24 अक्टूबर से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने वाली है। इससे पहले बांग्लादेश की टीम क्वारंटाइन में रहने के बाद प्रैक्टिस शुरू करेगी। मोमिनुल हक (कप्तान) तमीम इकबाल, सादमान इस्लाम, सैफ हसन, इमरुल कायस, सौम्य सरकार, मुशफिकुर रहीम, मोहम्मद मिथुन, लिटन दास, नजमुल हसन मंटो, मोसादेक हुसैन, महमदुल्लाह, यासिर अली, नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, तइजुल इस्लाम, संजामुल इस्लाम, नईम हसन, मुस्तफिजुर रहमान, रुबेल हुसैन, शफिउल इस्लाम, तस्किन अहमद, अल अमीन हुसैन, सैफुद्दीन, इबादत हुसैन, अबु जाएद और हसन महमूद।

# वो करिश्माई गेंदबाज जिसने डाली सदी की सबसे बेहतरीन गेंद

नई दिल्ली।ऑस्ट्रेलियाई टीम के महान स्पिनर शेन वार्न आज (13 सितंबर 2020) अपना 51वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। शेन वार्न को महान गेंदबाज का दर्जा दिया जाता है, क्योंकि उन्होंने महान काम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शेन वार्न सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में 700 से ज्यादा विकेट लेकर उन्होंने इतिहास रचा है। शेन वार्न को सदी की सबसे बेहतरीन गेंद डालने के लिए भी जाना जाता है।विक्टोरिया में जन्मे शेन वार्न ने ऑस्ट्रेलिया के लिए वर्ल्ड कप जीत में भी अहम योगदान अदा किया हुआ है। इसके अलावा शेन वार्न ढ्ढक्क के आगाज सत्र की चैंपियन टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान भी थे। ढ्ढक्क 2008 के फाइनल में राजस्थान की टीम ने एमएस धौनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को 3 विकेट से हराया था। उस सत्र में शेन वार्न ने राजस्थान के लिए कुल 15 मैच खेले थे और इन 15 मैचों में उन्होंने 19 विकेट हासिल किए थे। आखिरी गेंद तक चले मुकाबले में राजस्थान को खिताबी जीत मिली थी।ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर शेन कीथ वार्न के क्रिकेट के आंकड़ों की बात करने से पहले हम उनके द्वारा फेंकी गई सदी की सबसे बेहतरीन गेंद यानी बॉल ऑफ द सेंचुरी की बात करेंगे। वार्न ने मैदान पर अपना ऐसा जादू बिखेरा था, जिसकी दुनिया आज भी कायल है। 1993 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान

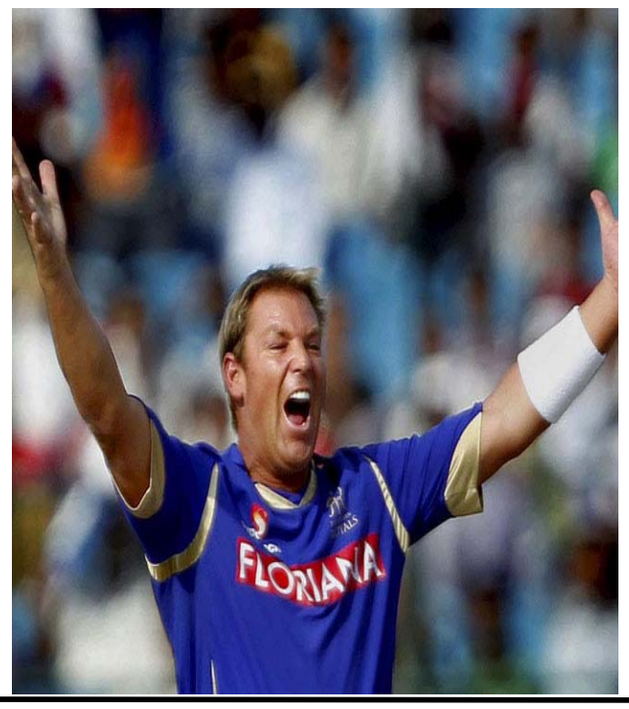

उन्होंने एक ऐसी गेंद फेंकी थी, जिसको अगर आज भी देखा जाए तो आप उसे असाधारण तो कहेंगे ही साथ ही साथ आप उसे किसी चमत्कार से कम नहीं बताएंगे, क्योंकि आमतौर पर क्रिकेट में ऐसा देखा नहीं जाता।1993 की एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में मैनचेस्टर के मैदान पर मार्क टेलर की सेंचुरी ने सुर्खियां बटोरीं, लेकिन इंग्लैंडके स्पिनर पीटर सच ने 67 रन देकर 6 विकेट हासिल किए थे और ऑस्ट्रेलिया को 289 रन पर रोक दिया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन पहला विकेट माइक अथॉर्टन के रूप में गिरा तो कंगारू कप्तान ने गेंद लेग स्पिनर शेन वार्न को थमा दी। उधर, इंग्लैंड के कप्तान ग्राहम गूच ने माइक गेटिंग के साथ पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया, लेकिन इस बीच एक जादू देखने को मिला। दरअसल, 4 रन पर बल्लेबाजी कर रहे माइक गेटिंग को शेन वार्न ने एक ऐसी गेंद डाली, जिसे वो जब तक समझ पाते तब तक उनके ऑफ स्टंप्स का बेल उड़ गया था। वार्न की इसी गेंद को बॉल ऑफ द सेंचुरी कहा गया था, क्योंकि वार्न ने गेंद को लेग स्टंप्स के काफी बाहर पिच कराया था और गेंद ने इतना टर्न लिया कि माइक गेटिंग के ऑफ स्टंप्स को जा टकराई। इसे देखकर हर कोई हैरान था। माइक गेटिंग से लेकर इंग्लिश कैप्टन ग्राहम कोच, फील्ड अंपायर और फील्डिंग कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम का हर खिलाड़ी इससे हैरान था।

# अक्षय कुमार ने पहले मांगी माफ़ी, फिर फैंस को कहा- शुक्रिया, जानें पूरा माजरा

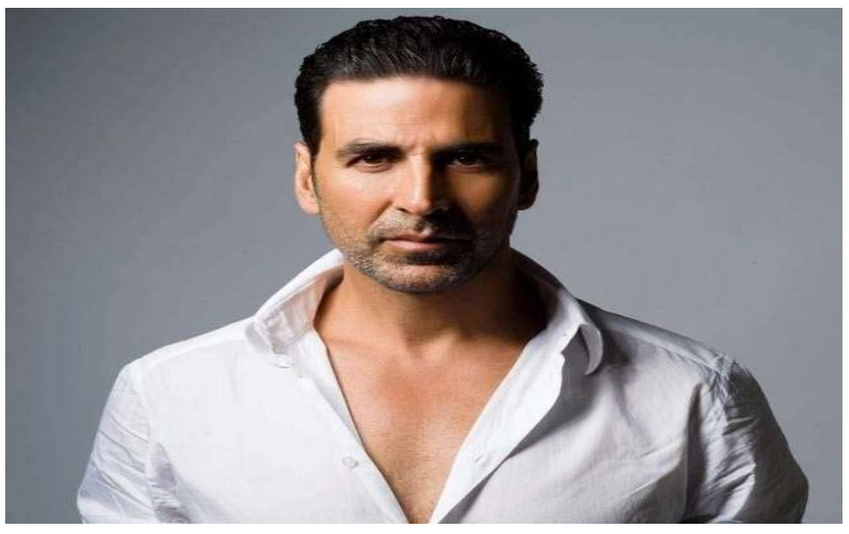

नई दिल्ली। अक्षय कुमार इस वक्त स्कॉटलैंड में अपनी फ़िल्म %बेल बॉटम% की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस व्यस्त टाइम में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में पहले उन्होंने अपने अपने फैंस से माफी मांगी। इसके बाद फैंस को तहे-दिल से शुक्रिया भी कहा। /यह वीडियो अक्षय कुमार के जन्मदिन से संबंधित है।दरअसल, इस वीडियो के जरिए अक्षय कुमार ने अपने फैंस को जन्मदिन पर किए गए कामों के लिए शुक्रिया कहा। उन्होंने वीडियो में कहा- %सबसे पहले मैं चाहूंगा कि आपसे माफ़ी मांगू कि तीन दिन बाद रिप्लाई कर रहा हूं। लेकिन जैसा आप लोग जानते हैं कि मैं इस वक्त स्कॉटलैंड में हूं और बेल बॉटम की शूटिंग कर रहा हूं। इस बीच मेरा बर्थडे आ गया। परिवार के साथ अच्छा समय मिल गया। इसके साथ में मिला आप सबका ढेर सारा प्यार। मैं अपने सारे अंक्वीएंश को तहे-दिल शुक्रिया कहना चाहता हूं। इस साल ऐसे समय में भी आपने मेरा जन्मदिन मनाया। मैं पढ़ रहा था, देख रहा था कि कोई फैन क्लब ने अनाज़ बांटा। किसी ने पेड़ उगाया। किसी ने ब्लड डोनेशन किया। मेरे एक फैन हैं रमेश जी, जो वर्षों से नंगे पैर घूम रहे हैं। मैं रमेश जी आपसे दरख्वास करूंगा कि आप चप्पल पहन लीजिए। नंगे पैर मत घूमिए। कोरोना का समय है, आपके परिवार पर असर पड़ सकता है। कभी राजस्थान आया, तो आपसे मुलाकात होगी। एक बार आप सबका बहुत बहुत धन्यावाद। जैसे मैं कहता हूं- आप हैं, तो मैं हूं।आपको बता दें कि अक्षय कुमार ने अपना जन्मदिन 9 सितंबर को मनाया है। इस दिन उन्होंने अपने फैंस के लिए एक तोहफा भी दिया। उन्होंने बेल बॉटम फ़िल्म का एक पोस्टर जारी किया था। इस पोस्टर में अक्षय कुमार काफी रेट्रो लुक में नज़र आ रहे हैं। फ़िल्म की बात करें, तो अक्षय कुमार इसमें रॉ एजेंट की भूमिका में है। फ़िल्म साल 2021 में रिलीज़ हो सकती है।

## पुलिस वर्दी में सेट पर दिखे रणबीर कपूर, देखें- यूनिफॉर्म में कैसे लग रहे एक्टर?

नई दिल्ली। फिल्म सेलेब्स भी लॉकडाउन में लंबे समय तक आराम करने के बाद अब काम पर लौट रहे हैं। एक्टर्स धीरे-धीरे फिल्म सेट पर नज़र आ रहे हैं। अब एक्टर रणबीर कपूर की भी फिल्म सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो बताती हैं कि एक्टर ने भी अपना काम शुरू कर दिया। एक्टर पुलिस ऑफिसर की ड्रेस में नज़र आ रहे हैं। एक्ट्रेस सेट पर पुलिस की गाड़ी के पास खड़े नज़र आ रहे हैं और वर्दी में दिख रहे हैं।रणबीर कपूर की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर हो रही हैं। एक्टर खुद सोशल मीडिया पर नहीं है, ऐसे में एक्टर के कई फैन पेज हैं, जिन पर ये तस्वीरें शेयर की जा रही हैं। दो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही हैं, जिसमें एक फोटो में रणबीर कपूर पुलिस की गाड़ी के पास खड़े दिख रहे हैं, वहीं दूसरी फोटो में कुर्सी पर बैठे हैं। हालांकि, सेट पर कोई भी मास्क के साथ नज़र आ रहे हैं।एक्टर अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में नज़र आने वाले हैं, जिसमें रणबीर के साथ अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट भी नज़र आने वाले हैं। अब एक्टर की इन फोटो को उनके फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर हुईं तस्वीरों पर लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं और रणवीर कपूर के लिए प्यार भेज रहे हैं। साथ ही एक्टर हाल ही के दिनों में डबिंग स्टूडियो में नज़र आए थे, जो बताता है कि एक्टर अब पूरी तरह से काम में लग गए हैं।वहीं, दीपिका पादुकोण अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए मुंबई से गोवा के लिए रवाना हो गई हैं, जहां उन्हें शकुन बत्रा की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग करनी है। फिल्म के कुछ सीन गोवा में शूट किए जाने हैं और इस फिल्म में दीपिका के साथ अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी नज़र आने वाले हैं। इस दौरान एक्ट्रेस बॉटल ग्रीन ड्रेस पहने नज़र आईं और उन्होंने मास्क लगा रखा था।

# जल्द साथ दिखेंगे शाहरुख-दीपिका? इस निर्देशक की फिल्म में आएंगे नज़र

**अब खबर आ रही है कि एक्टर अब जल्द ही तमिल डायरेक्टर के किसी प्रोजेक्ट में नज़र आने वाले हैं और खास बात ये है कि इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हो सकती हैं।अगर इस फिल्म पर मुहर लगती है तो शाहरुख और दीपिका पादुकोण चौथी बार एक साथ बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते नज़र आएंगे। एक्टर और एक्ट्रेस पहले भी तीन बार फिल्म ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस और हैपी न्यू ईयर में साथ नज़र आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि दोनों तमिल डायरेक्टर एटली कुमार की फिल्म साइन कर सकते हैं। यह एटली के लिए बॉलीवुड डेब्यू होगा, जिसमें शाहरुख और दीपिका नज़र आएंगे।**

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। खबरें तो करीब एक साल से आ रही है कि एक्टर ने फिल्म साइन कर ली है और जल्द ही वो बड़े पर्दे नज़र आने वाले हैं। हालांकि, अभी उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक और पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है। अब खबर आ रही है कि एक्टर अब जल्द ही तमिल डायरेक्टर के किसी प्रोजेक्ट में नज़र आने वाले हैं और खास बात ये है कि इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हो सकती हैं।अगर इस फिल्म पर मुहर लगती है तो शाहरुख और दीपिका पादुकोण चौथी बार एक साथ बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते नज़र आएंगे। एक्टर और एक्ट्रेस पहले भी तीन बार फिल्म ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस और हैपी न्यू ईयर में साथ नज़र आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि दोनों तमिल डायरेक्टर एटली कुमार की फिल्म साइन कर सकते हैं। यह एटली के लिए बॉलीवुड डेब्यू होगा, जिसमें शाहरुख और दीपिका नज़र आएंगे। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ भी जानकारी सामने नहीं आई है।रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण जिस फिल्म के लिए साथ आए हैं, उसका नाम %सनकी% रखा गया है। दीपिका पादुकोण की फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई है। अब देखना है कि फिल्म कब तक फ्लोर पर आ पाती है। बताया जा रहा है कि एक्टर एक साथ 4 फिल्मों का ऐलान करने वाले हैं, जिसमें यह फिल्म भी शामिल हो सकती है। इसके अलावा एक्टर के राजकुमार हिरानी के साथ भी फिल्म करने की भी खबर आ रही है।अगर दोनों स्टार्स के वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान आखिरी बार 2018 में फिल्म जीरो में नज़र आए थे और अब इसके बाद उनकी फिल्म का इंतजार है। वहीं, दीपिका पादुकोण की बात करें तो दीपिका पादुकोण डायरेक्टर शकुन बत्रा की फिल्म शूटिंग के लिए गोवा गई हैं। इसके अलावा वह प्रभास के साथ एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। आखिरी बार एक्ट्रेस फिल्म छपाक में नज़र आई थीं।

# अभिषेक बच्चन ने नेहा धूपिया के सार्वजनिक निमंत्रण को ठुकराते हुए कहा, बख्श दीजिए

**नई दिल्ली।** फिल्म अभिनेता अभिषेक बच्चन ने नेहा धूपिया के सार्वजनिक रूप से आमंत्रण को ठुकराते हुए उन्हें बख्शने के लिए कहा हैद्य नेहा धूपिया ने अपने पॉडकास्ट नो फिल्टर नेहा के सीजन 5 में शामिल होने के लिए अभिषेक को निमंत्रण दिया था। नेहा धूपिया की पॉडकास्ट नो फिल्टर नेहा पर बॉलीवुड के लोकप्रिय कलाकार अपने सबसे गहरे रहस्यों से पर्दा उठाते है, को वर्षों से बहुत प्यार मिला है। इस शो पर करण जौहर से लेकर रणवीर सिंह, रैपर बादशाह, विक्की कौशल और कटरीना कैफ जैसे लोग आ चुके हैं।हाल ही में एक प्रशंसक ने ट्विटर पर नेहा धूपिया को लिखकर अपने शो में फीचर करने के लिए लोकप्रिय वेबसीरीज ब्रीथ- इन टू द शैडो के स्टार अभिषेक बच्चन को लाने का अनुरोध किया। नेहा धूपिया को मैसेज लिखते हुए प्रशंसक ने ट्वीट किया,वह सबसे मशहूर हस्तियों में से एक हैं और उन्हें सुनने में मजा आएगा।नेहा अभिषेक बच्चन को अपने शो पर आने के लिए मनाने की कोशिश कर रही हैं, स्वाभाविक रूप से प्रशंसक की भावना को देखकर वह भी बहुत खुश थी। नेहा ने तुरंत प्रशंसक के पोस्ट को रीट्वीट किया और जूनियर बी को लिखा मुझे यह पसंद आएगा .आपको व्यक्तिगत रूप से कई बार आमंत्रित किया हैद्य अब आपको लोकप्रिय मांग पर सार्वजनिक रूप से के लिए आमंत्रित कर रही हूं।खैर अभिषेक बच्चन ने नेहा धूपिया को जवाब देते हुए नो फिल्टर नेहा के सीजन 5 में मेहमान बनने की पेशकश को विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया था। उन्होंने लिखा, बुद्धि औरकोई फ़िल्टर नहीं दो अलग-अलग चीजें हैं। बख्श दीजिए। नेहा धूपिया ने सेलेब्स के साथ कुछ काले और गंदे राज़ उगलवाए हैं और उनके बहुचर्चित पॉडकास्ट पर उनसे बातचीत की है। सैफ अली खान शो के सीजन 5 में नेहा के पहले मेहमान थे।

# अमिताभ बच्चन ने लॉन्च किया वूट सेलेक्ट की नई वेब सीरीज़ का टीज़र

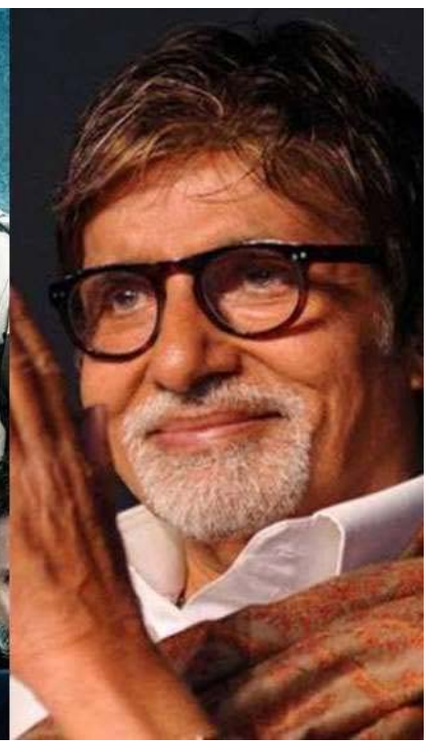

नई दिल्ली।इस वक्त के एक बाद एक कई नई वेब सीरीज़ और फ़िल्में ओटीटी की दुनिया में दस्तक दे रही हैं। इस बीच वूट सेलेक्ट भी नई वेब सीरीज़ क्रैकडाउन लेकर आया है। 12 सितंबर को वेब सीरीज़ का टीज़र जारी किया गया। इस टीज़र को कोई और नहीं, बल्कि बॉलीवुड के शंहशाह कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन ने लॉन्च किया। अब आप सोच रहे होगें कि इससे उनका क्या कनेक्शन हैं? आइए जानते हैं...अमिताभ बच्चन ने वेब सीरीज़ का टीज़र अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लॉन्च किया। उन्होंने लिखा- मुझे खुशी है कि मैं अपने दोस्त अपूर्व लाखिया के नए शो क्रैक डाउन को रिवील कर रहा हूं। ऑल दी बेस्ट अप्पू।% इस ट्वीट में अमिताभ ने बताया कि वह अपूर्व उनके दोस्त हैं, इसलिए उन्होंने इसे शेयर किया है। अपूर्व इससे पहले अमिताभ की फ़िल्म की जंजीर का रीमेक बना चुके हैं। इसमें उन्होंने राम चरण तेजा और प्रियंका चोपड़ा को कास्ट किया था।वहीं, अगर टीज़र की बात करें, तो क्रैक डाउन एक एक्शन पैक्ड वेब सीरीज़ नज़र आ रही है। शाकिब सलीम स्टारर इस सीरीज़ में एजेंट और सीक्रेट सर्विस और आंतकी हमले की कहानी दिखाई गई है। शाकिब किसी एजेंट की भूमिका में नज़र आए हैं। शाकिब इससे पहले ज़ी-5 की फेमस क्राइम सीरीज़ रंगबाज में शिव प्रकाश शुक्ला का किरदार निभा चुके हैं। वह, रणवीर सिंह स्टारर फ़िल्म 83 का भी हिस्सा हैं।वेब सीरीज़ में शाकिब सलीम के अलावा श्रिया पिलगांवकर और राजेश तैलंग भी अहम भूमिका में नज़र आ रहे हैं। श्रिया इससे पहले मिर्ज़ापुर के पहले सीज़न में सुर्खियां बटोर चुकी हैं। वहीं, अगर राजेश तैलंग की बात करें, तो वह हाल ही में रिलीज़ हुई वेब सीरीज़ बंदिश बैंडिट्स का हिस्सा रहे हैं।

**शाकिब किसी एजेंट की भूमिका में नज़र आए हैं। शाकिब इससे पहले ज़ी-5 की फेमस क्राइम सीरीज़ रंगबाज में शिव प्रकाश शुक्ला का किरदार निभा चुके हैं। वह, रणवीर सिंह स्टारर फ़िल्म 83 का भी हिस्सा हैं।वेब सीरीज़ में शाकिब सलीम के अलावा श्रिया पिलगांवकर और राजेश तैलंग भी अहम भूमिका में नज़र आ रहे हैं।**

# सुशांत सिंह राजपूत ने मौत से एक महीने पहले बहन प्रियंका को बनाया था नॉमिनी

सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच सीबीआई के साथ ही ईडी और एनसीबी भी कर रहे हैं। इस केस में रोजाना नए दावे और खुलासे सामने आ रहे हैं। अभी तक की जांच में सीबीआई को सुशांत की हत्या से संबंधित को ई सबूत नहीं मिला है और अब एजेंसी इस केस में आत्महत्या के लिए उकसाने वाले ऐंगल से आगे बढ़ने के बारे में सोच रही है। सुशांत की फैमिली ने भी रिया और उनके परिवार पर ऐसे ही आरोप लगाए हैं। अब मामले में एक और बात सामने आ रही है जो सुशांत की बैंक अकाउंट से संबंधित है। इंडिया टुडे की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत ने अपनी प्रॉपर्टी और इन्वेस्टमेंट का नॉमिनी अपनी बहन प्रियंका सिंह को बनाया था। रिपोर्ट में बताया गया है किस सुशांत ने यह काम लगभग 20 मई के आसपास किया था। यानी कि सुशांत ने अपनी मौत के लगभग एक महीने पहले ही अपनी बहन को अपने पैसे और संपत्ति का नॉमिनी बनाया था। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सुशांत और बैंक के एक अधिकारी के बीच इस मुद्दे पर वॉट्सऐप पर बात हुई थी जिसमें इन्वेस्टमेंट के बारे में बात की गई थी। पहले की कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सुशांत और रिया के प्रियंका सिंह के साथ संबंध बहुत अच्छे नहीं थे। यह भी दावा किया जा रहा है कि सुशांत की अपनी बहन से लड़ाई भी हुई थी। हालांकि अगर इस हालिया रिपोर्ट को मानें तो यह बात गलत साबित होती है कि सुशांत और प्रियंका के संबंध अच्छे नहीं थे। इस रिपोर्ट से यह दावा भी खारिज होता है कि रिया चक्रवर्ती पूरी तरह से सुशांत के फाइनैंशल फैसले ले रही थीं। हालांकि अभी इस मामले में कुछ भी कहा जाना मुश्किल है।सुशांत के परिवार ने रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार के साथ ही सुशांत के सहयोगियों पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। जांच में ड्रग चौट का ऐंगल सामने आने के बाद यह जांच पूरी तरह से नए रास्ते पर चली गई है और सुशांत के परिवार ने रिया पर सुशांत को ड्रग्स देने का आरोप लगाया है। अब इस मामले की जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कर रहा है और उसने मामले में कुछ कथित ड्रग्स सप्लायर्स को भी अपनी हिरासत में लिया है।

## रिया की 12 जून वाली इन तस्वीरों ने खड़े किये ये गंभीर सवाल,इस दिन एक्ट्रेस थीं बॉयफ्रेंड सुशांत के घर

सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती सीबीआई के निशाने पर है। हाल ही में रिया ने मुंबई पुलिस,ईडी और सीबीआई को दिए हुए अपने बयान में बताया है कि वो 8 जून को सुशांत के घर से चली गई थीं। साथ ही एक्ट्रेस का कहना यह भी है इसके बाद उनकी सुशांत से कोई बात नहीं हुई साथ ही साथ उन्होंने गुस्से में आकार उनका नंबर तक ब्लॉक कर दिया था,मगर इस बीच सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें सामने आई है। जो रिया के द्वारा किए गए दावों पर से पर्दा उठाती हैं। सवाल ये है क्या रिया 12 जून को सुशांत के घर पर ही थीं अगर नहीं थीं तो फिर क्या यह कुछ पुरानी तस्वीरें हैं जिन्हें 12 जून को पोस्ट किया गया है? रिया चक्रवर्ती की कुछ फेटोज एक केक दुकान ने अपने इंस्टा पर साझा की हैं और ये सभी तस्वीरें 12 जून की हैं। वहीं बताया जाता है कि इन फेटोज को रिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया था। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने इस केक शॉप वाले को शुक्रिया भी कहा साथ ही सुशांत की एक्स मैनेजर श्रुति मोदी का नाम भी लिया। दरअसल केक शॉप के इंस्टाग्राम पर एक दो नहीं बल्कि कई सारी तस्वीरें हैं। अब रिया पर सवाल यह भी उठ रहे हैं कि उन्होंने 12 जून 2020 को ये केक आखिरकार किसके लिए मंगवाया था। वैसे रिया की इन फेटोज में उनके पीछे का जो सारा एरिया नजर आ रहा है वो सुशांत के लिविंग रूम का है। इसके अलावा एक्टर के घर एक एक एस्ट्रानॉट का प्रेम भी लगा हुआ है,जिसका किनारा हुबहू सुशांत के लिविंग रूम के जैसा है। वैसे यह तस्वीरें पुरानी भी हो सकती हैं। ओर क्या पता तस्वीरें केक शॉप के प्रमोशन के लिए भी हों,जो रिया ने पहले से ही क्लिक करवाई हों। क्योंकि स्टार्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स को उनके सोशल मीडिया मैनेजर ही हैंडल करते हैं। तो हो सकता है कि रिया की केक वाली ये फेटोज पुरानी हों और केक शॉप से प्रमोशनल डीलिंग के बाद ही इन तस्वीरों को साझा किया गया हो। इन सब बातों के अलावा 12 जून की तारीख को लेकर एक खुलासा रूमी जाफरी की ओर से भी किया गया है। जी हां जाफरी ने अपने बयान में कहा कि 12 जून को उन्होंने सुशांत के साथ एक फिल्म फाइनल की थी।

# खेसारीलाल यादव की फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग शुरू

भोजपुरी अभिनेता-गायक खेसारीलाल यादव की आने वाली फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग सितंबर से शुरू होगी।वैश्विक महामारी कोरोना के बीच देश अब अनलॉक 4 की ओर बढ़ चला है और स्थितियां धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है। निर्देशक पराग पाटिल और खेसारीलाल यादव की बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग का डेट अनाउंस कर दिया गया है। बाबा मोशन पिक्चर प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने सितंबर से शुरू हो जायेगी। इसकी जानकारी पराग पाटिल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए दी है। फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के खूबसूरत लोकेशन पर होगी। इस फिल्म के निर्माता प्रदीप के शर्मा हैं।

**कंचन उजाला**
**हिंदी दैनिक**

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

**संपादक- कंचन सोलंकी**

TITLE CODE- UPHIN48974

**Mob: 8896925119, 9695670357**
**Email: kanchansolanki397@gmail.com**

**नोटः** समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।